R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 08
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 16 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 नलकूप की नालियां टूटी किसान परेशान | 5 गला दबाकर हत्या के आरोपी किया गया गिरफ्तार | 7 शशांक खेतान की 'सनी संस्कारी' का ट्रेलर ...

झारखंड में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता! एक करोड़ के इनामी समेत 3 बड़े माओवादी कमांडरों को किया ढेर

रांची **(एजेंसी)**। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये का इनामी माओवादी नेता और दो अन्य वरिष्ठ माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोरहर थाना क्षेत्र के पंतित्री जंगल में सुबह करीब छह बजे प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सहदेव सोरेन के दस्ते और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया, ''तलाश अभियान के दौरान एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादी सहदेव सोरेन और दो अन्य माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं।''

झारखंड पुलिस के अनुसार, विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह पुलिस और हजारीबाग पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। गिरिडीह-बोकारो सीमा के पास टाटीझरिया थाना क्षेत्र के करंडी गाँव में सुबह करीब 6 बजे मुठभेड़ शुरू हुई। मुठभेड़ में दो अन्य माओवादी नेता - बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का 25 लाख रुपये का इनामी सदस्य रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और 10 लाख रुपये का इनामी जोनल कमेटी सदस्य बीरसेन गंझू उर्फ रामखेलावन - भी मारे गए। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने तीनों उग्रवादियों के शव बरामद कर लिए। अधिकारियों ने बताया कि जंगली इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

इससे पहले 14 सितंबर को झारखंड के पलामू जिले में रविवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि मृतक की पहचान मुखदेव यादव (40) उर्फ तूफान जी के रूप में हुई है, जो प्रतिबंधित माओवादी गुट तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) का स्वयंभू सब-जोनल कमांडर था। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) माइकल राज एस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मनातू और तरहसी की सीमा पर स्थित वन क्षेत्र में आज सुबह मुठभेड़ शुरू हुई और बाद में वहां से एक नक्सली का शव, एक राइफल, एक पिस्तौल और 146 कारतूस बरामद किए गए।

सरकार का पांच साल में वाहन क्षेत्र को शीर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्यः गडकरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने 'अंतरराष्ट्रीय मूल्य शिखर सम्मेलन 2025' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वाहन क्षेत्र सरकार को सबसे अधिक जीएसटी राजस्व देता है और रोजगार के अवसर पैदा करता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में शीर्ष स्थान वाला बनाना है।'' गडकरी ने बताया कि देश में दुनिया की सभी बड़ी वाहन कंपनियां मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, ''जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपये था। अब भारतीय वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपये है।''

इस समय अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार 78 लाख करोड़ रुपये है। उसके बाद चीन (47 लाख करोड़ रुपये) और भारत (22 लाख करोड़ रुपये) का स्थान है। मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अच्छा बुनियादी ढांचा विकसित करना होगा।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में बादल फटने से अचानक बाढ़ आई, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई जिससे पहाड़ी इलाकों में रहने वालों में डर और दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले की पोनी तहसील के मादी गांव में हुई, लेकिन किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है।

एक आदिवासी ग्रामीण ने बताया, ''विस्फोट जैसी तेज आवाज हुई और कुछ ही देर में हमारे घर पानी में डूब गए।'' उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह लगभग तीन बजे बादल फटने की घटना हुई। ग्रामीण ने कहा, ''बाढ़ का पानी गांव में घुस गया और हम अपने बच्चों के साथ घरों से ऊपरी इलाकों की ओर भाग गए।''

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुष्टि की कि किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क पर भूस्खलन के चलते भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा जमा हो गया, जिसे बाद में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों और मशीनरी द्वारा हटा दिया।

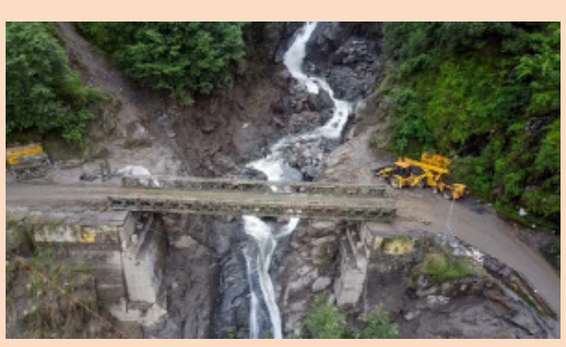

बिहार के आर्थिक विकास को मिलेगी नई उड़ान

पीएम मोदी ने पूर्णिया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया शुभारंभ

पटना **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को बिहार के पूर्णिया जिले में नवनिर्मित एयरपोर्ट टर्मिनल भवन का शुभारंभ किया । यह टर्मिनल भवन न सिर्फ सीमांचल और कोसी क्षेत्र के लोगों के लिए हवाई सफर की नई सुविधाएं लेकर आएगा, बल्कि बिहार के क्षेत्रीय संपर्क और आर्थिक विकास को भी नई उड़ान देगा। पीएम मोदी की उपस्थिति में 76 सीटों वाला विमान अहमबाद के लिए और उसके बाद एक विमान कोलकाता के लिए भी रवाना हुआ। इसके साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्णिया की जनता से नये एयरपोर्ट टर्मिनल बनाने का अपना वादा प्रधानमंत्री ने पूरा किया दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़ान' के तहत देश के छोटे शहरों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। पूर्णिया एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से बिहार के सीमांचल और कोसी क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य बदलेगा। पूर्णिया एयरपोर्ट का नया टर्मिनल भवन न केवल सीमांचल क्षेत्र की दशकों पुरानी मांग को पूरा करेगा, बल्कि बिहार की हवाई कनेक्टिविटी को एक नई ऊँचाई भी देगा। इससे जहां स्थानीय लोगों की सुविधा बढ़ेगी, वहीं प्रदेश के विकास और रोजगार सृजन को भी नई गति मिलेगी। इस विमान सेवा का लाभ पूर्णिया प्रमंडल समेत आसपास के करीब एक दर्जन जिलों को मिलेगा।

पटना, गया, दरभंगा के बाद पूर्णिया अब बिहार का चौथा एयरपोर्ट है जहां से कामर्शियल फ्लाइट की सेवा शुरू हुई। इंडिगो एयरलाइन्स अहमदाबाद और पूर्णिया के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ानें भरेगा जिससे गुजरात जैसे प्रमुख औद्योगिक शहर से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। पूर्णिया पूर्वी बिहार का सबसे महत्वपूर्ण शहर है और इसके आसपास के शहरों सहरसा, मधेपुरा , सुपौल, अररिया, कटिहार, भागलपुर, नवगछिया, फारबिसगंज के अलावा नेपाल और बंगाल के कई शहरों से इसका सम्पर्क है।

पूर्णिया हवाई अड्डे के नवनिर्मित अंतरिम टर्मिनल भवन के शुरू होने से इस क्षेत्र में हवाई सेवाओं का विस्तार होगा। यह टर्मिनल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और इसकी नई इमारत बनाने के बाद यात्री प्रबंधन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। अब विमानो कि आवाजाही शुरू होने और उनकी संख्या में वृद्धि के साथ यात्रियों को दिल्ली, पटना और अन्य बड़े शहरों के लिए सीधी और नियमित हवाई सेवाएं मिलने लगेंगी। पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज, सुपौल और सहरसा जैसे जिलों के लोग अब हवाई सेवाओं का लाभ अपने नजदीकी शहर से उठा सकेंगे। अभी तक इस क्षेत्र के यात्रियों को पटना या बागडोगरा तक जाना पड़ता था, लेकिन इस टर्मिनल के शुरू होने से यात्रियों के समय और लागत दोनों की बचत होगी। पूर्णिया और आसपास का इलाका व्यापार, शिक्षा और कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। हवाई संपर्क बढ़ने से यहां निवेश, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे तथा अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे।

राहुल गांधी अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान से उतरे। यहां पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने उनका स्वागत किया। राहुल गांधी डेरा बाबा नानक के गुरचक गांव और गुरदासपुर के मकौरा के लिए रवाना होने से पहले अमृतसर के रामदास इलाके में ऐतिहासिक गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब में मत्था टेकेंगे। पंजाब दशकों में सर्वाधिक भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है।

यह बाढ़ सतलुज, व्यास और रावी नदियों के उफान पर होने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण मौसमी नालों के उफान का परिणाम थी। इसके अलावा पंजाब में भारी बारिश ने भी बाढ़ की स्थिति को गंभीर बना दिया। बाढ़ के कारण 56 लोगों की जान चली गई तथा 1.98 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ सितंबर को अपने दौरे के दौरान बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद पंजाब में बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की थी। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए 1, 600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की थी जो राज्य को दिए गए 12, 000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त है।

बिहार में नौकरियों को लेकर बवाल

बैरिकेड्स तोड़ आगे बढ़े छात्र, सरकार मौन क्यों?

पटना **(एजेंसी)**। बिहार में छात्र सोमवार को राज्य में पुलिस कांस्टेबल और सरकारी नौकरियों की कमी के विरोध में सड़कों पर उतर आए। छात्रों का दावा है कि पिछले दो वर्षों से नए छात्रों की भर्ती के लिए कोई नई रिक्तियां नहीं आई हैं। छात्रों ने मांग की कि सरकार चुनाव शुरू होने से पहले इस संबंध में अधिसूचना जारी करे। हालांकि भारत के चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है।

पटना में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करते हुए छात्रों ने मांग की कि बिहार पुलिस सब-ऑर्डिनेट सर्विस कमीशन और सेंट्रल सिलेक्शन बोर्ड ऑफ कांस्टेबल की उत्तर कुंजी छात्रों को दी जाए। एक प्रदर्शनकारी के अनुसार, छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रशासन के एक अधिकारी से मिलने गया और अपनी मांगें रखीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कुछ देर के लिए रोक दिया क्योंकि बैरिकेड्स लगाए गए थे। हालाँकि, कुछ जगहों पर बैरिकेड्स हटा दिए गए थे, जिससे कुछ छात्र आगे निकल गए।

बैरिकेड्स के ऊपर खड़ी एक प्रदर्शनकारी खुशबू पाठक ने पत्रकारों से कहा कि छात्रों ने कई बार अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है, लेकिन प्रशासन कुछ नहीं कर रहा है। इसलिए आज हमें यह विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। हमारा विरोध पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। हम हाथ जोड़कर सरकार से अपनी माँगें पूरी करने की विनती करते हैं। उन्होंने एएनआई को बताया कि उत्तर कुंजी की कार्बन कॉपी और प्रश्न पुस्तिका बीपीएसएससी और सीएसबीसी द्वारा दी जानी है। बिहार इंस्पेक्टर का नोटिफिकेशन चुनाव से पहले दिया जाना है। हम शांतिपूर्ण तरीके से मार्च कर रहे छात्र हैं।

एक अन्य प्रदर्शनकारी, नीतीश कुमार ने बताया कि पिछले दो सालों से पुलिस/कांस्टेबल की कोई नई रिक्तियाँ घोषित नहीं की गई हैं, जिससे उनके लिए पटना में रहकर पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है। नीतीश कुमार ने एएनआई को बताया कि हम अंदर जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन हमें अंदर नहीं जाने दे रहा है। हम संवैधानिक तरीके से अंदर जाने की कोशिश कर रहे हैं। हम सांसद या विधायक के बेटे नहीं हैं, हम गरीब किसानों के बेटे हैं, इसलिए हम बिहार पुलिस परीक्षा की तैयारी करते हैं और हम यहाँ विरोध प्रदर्शन करने आए हैं। दो साल से कोई रिक्ति नहीं है। पटना में रहकर हमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बैरिकेड्स पर चढ़े एक प्रदर्शनकारी अमन कुमार यादव ने कहा कि वे केवल मुख्यमंत्री या मुख्य सचिव से ही मिलेंगे।

शीश महल सफेद हाथी जैसा

इस पर बर्बाद हुआ पैसा दिल्ली के खजाने में वापस लाया जाएगा-गुप्ता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि शीश महल बंगला एक सफेद हाथी की तरह है और दिल्ली सरकार को अभी इसके भाग्य के बारे में फैसला करना बाकी है। यह बंगला अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनके आधिकारिक आवास के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

गुप्ता ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केजरीवाल द्वारा इस पर बर्बाद किया गया पैसा दिल्ली के खजाने में वापस आ जाए। साल 2015 में जब आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में सरकार बनाई थी, तब से लेकर पिछले साल सितंबर में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तक केजरीवाल सिविल लाइंस इलाके में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले में रहते थे, जिसे भाजपा ने शीश महल का नाम दिया था।

'पांचजन्य' द्वारा आयोजित आधार इन्फ्रा कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए गुप्ता ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल पर बंगले के निर्माण पर दिल्ली के लोगों की गाढ़ी कमाई को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहने दौरान पुनर्निर्मित यह बंगला भ्रष्टाचार और महंगी आंतरिक साज-सज्जा तथा घरेलू सामान के आरोपों के कारण विवाद का केंद्र बन गया था।

गुप्ता ने कहा, यह दिल्ली सरकार के पास सफेद हाथी की तरह पड़ा है और हम सोच रहे हैं कि इसका क्या किया जाए। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में अनुमान लगाया था कि 2022 तक बंगले के पुनर्निर्माण पर 33.86 करोड़ रुपये खर्च हुए। हालांकि, भाजपा नेताओं ने दावा किया कि वास्तविक लागत 75-80 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि शीश महल पर सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी देखना दुखद है और उन्होंने कहा कि इस पर खर्च किया गया पूरा पैसा ब्याज सहित सरकारी खजाने में वापस लाया जाएगा।

सोम लॉ कॉलेज की तीन छात्राओं ने रचा इतिहास राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया सम्मानित

कौशाम्बी। पं. सोम चन्द्र द्विवेदी विधि महाविद्यालय (सोम लॉ कॉलेज) ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को सिद्ध करते हुए गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। महाविद्यालय की तीन प्रतिभाशाली छात्राओं ने थ्र्ध कोर्स में संपूर्ण विश्वविद्यालय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने छात्राओं को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पूरा समारोह उत्साह और गर्व से सराबोर रहा।

सम्मानित होने वाली छात्राओं में शिवानी विश्वकर्मा को स्वर्ण पदक (उद्‌र्शी्‌त) प्राप्त हुआ। वहीं मानस्वी दुबे और अंजली शुक्ला ने रजत पदक (एग्त्नी र्शी्‌त) हासिल कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया।

छात्राओं ने कोर्स में संपूर्ण विश्वविद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल कर यह सिद्ध किया कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। सोम लॉ कॉलेज, जिसे पं. सोम चन्द्र द्विवेदी विधि महाविद्यालय के नाम से भी जाना जाता है, यहाँ के विद्यार्थी लगातार परिश्रम और समर्पण से शैक्षणिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

महाविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह न केवल छात्राओं की व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि कॉलेज, शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग और मार्गदर्शन का प्रतिफल भी है।

इस उपलब्धि से प्रेरित होकर अन्य विद्यार्थी भी शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होंगे। कॉलेज प्रबंधन ने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भी सोम लॉ कॉलेज के विद्यार्थी इसी तरह प्रदेश और देश स्तर पर महाविद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे।

दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि युवा पीढ़ी ही देश के विकास की असली धरोहर है।

कुल मिलाकर, सोम लॉ कॉलेज की इस सफलता ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत और समर्पण से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है।

यह खबर सोम लॉ कॉलेज परिवार के लिए न सिर्फ गर्व का क्षण है, बल्कि पूरे कौशाम्बी जनपद के लिए भी गौरव का विषय है।

सिद्धारमैया का विवादित बयान : हिंदू धर्म में समानता होती तो धर्मांतरण क्यों होता?

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धर्मांतरण पर अपनी टिप्पणी के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे हिंदू समुदाय में समानता होती, तो कोई धर्म परिवर्तन क्यों करता? उन्होंने आगे कहा कि अगर समानता होती, तो अस्पृश्यता क्यों अस्तित्व में आई? क्या हमने अस्पृश्यता पैदा की है? इस्लाम, ईसाई धर्म या किसी भी धर्म में असमानताएँ हो सकती हैं। न तो हमने और न ही भाजपा ने किसी को धर्म परिवर्तन करने के लिए कहा, लेकिन लोग धर्म परिवर्तन करते हैं और यह उनका अधिकार है। विपक्ष ने इस मुद्दे को लपक लिया है और कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर हिंदुओं को निशाना बनाने और जाति व धर्म के आधार पर लोगों को बाँटने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने सिद्धारमैया के बयान पर पलटवार किया है। अशोक ने सिद्धारमैया को मुसलमानों से समानता के मुद्दे पर सवाल उठाने की चुनौती दी। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी के नाम पर रखने के प्रस्ताव को स्वीकार करके विवाद खड़ा कर दिया था।

सेंट मैरी बेसिलिका में वार्षिक भोज में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने आर्कबिशप पीटर मचाडो से शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम सेंट मैरी के नाम पर रखने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा और अनुरोध पर उचित प्रक्रियाओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। भाजपा ने इस कदम की कड़ी आलोचना की है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए मराठा प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने का आरोप लगाया है।

आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर तक होगा संचालित : सुपोषण भारत/ कुपोषण मुक्त भारत, जन आन्दोलन और सामुदायिक भागीदारी से होगा साकार-जिलाधिकारी

पोषण माह की थीमः मोटापा निवारण, पोषण भी पढ़ाई भी, एक पेड़ मॉ के नाम, शिशु एवं बाल आहार प्रथाएं, पुरूष सहभागिता पर आधारित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माह सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाये जाने के संबंध में दिशा निर्देश निर्गत है, जिसका उद्देश्य मा0 प्रधानमंत्री जी के विजन सुपोषण भारत (कुपोषण मुक्त भारत) पर आधारित है, जिसके प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु जन आन्दोलन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक घटक है। आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 17 सितम्बर 2025 से 16 अक्टूबर 2025 तक मनाया जायेगा। जिसका मुख्य फोकस समुदाय को सक्रिय करना, अभिसरण को मजबूत करना तथा समावेशी रूप से निहित पोषण प्रथाओं को बढ़ावा देना है एवं पोषण से संबंधित सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार को विशेष रूप से मान्यता दी गयी है। इसके अन्तर्गत समस्त कन्वर्जन विभागों के समन्वय एवं समेकित प्रयासों से पूरे प्रदेश मे पोषण आधारित जीवन चक्र के महत्त्वपूर्ण चरणों यथा गर्भावस्था, शैशवस्था, बचपन व किशोरावस्था में पोषण के संबंध में जागरूकता लाने हेतु प्रचार प्रसार तथा जन जागरूकता कार्यकमों का आयोजन किया जायेगा।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि पोषण अभियान के लक्षित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन एक महत्वपूर्ण चरण है। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष सितम्बर 2025 में आयोजित किये जाने वाले पोषण माह की मुख्य थीम निम्नवत् निर्धारित की गयी है मोटापा निवारण-चीनी, नमक एवं तेल के उपभोग में कमी, प्रारम्भिक वाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई)/पोषण भी पढ़ाई भी (पीवीपीबी), एक पेड़ मां के नाम, शिशु एवं छोटे बच्चों के पोषण (आईवाईसीएफ) संबंधी व्यवहार, पुरूष सहभागिता।

पोषण माह के अन्तर्गत ग्राम, विकासखण्ड एवं जनपद स्तर पर कन्वर्जन्स विभागों के समेकित प्रयास से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना हैं। दिवसवार आयोजित गतिविधियों की सूचना भारत सरकार द्वारा विकसित जन आन्दोलन पोर्टल पर फीड की जायेगी। पोषण माह का आयोजन दिनांक 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025 तक गतिविधि कैलेण्डर के अनुसार सभी कन्वर्जन्स विभागों यथा-बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, आयुष विभाग, जल निगम, सूचना विभाग, कृषि विभाग आदि द्वारा निर्धारित समयावधि में करते हुए भारत सरकार के डैस-बोर्ड पोषण अभियान डॉट जीओवी डॉट इन पर प्रतिदिन की गतिविधियों की फीडिंग सुनिश्चित की जायेगी। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया है कि अभिसरण के अन्तर्गत सभी सहयोगी विभाग आठवें राष्ट्रीय पोषण माह में निर्धारित कार्यक्रमों में दिवसवार गतिविधियों का आयोजन पोषण माह को सफल आयोजन सुनिश्चित करेंगे।

पोषण माह 17 सितम्बर से 16 अक्टूबर के अन्तर्गत विभिन्न थीम-"मोटापा निवारण चीनी एवं उपभोग में कमी हेतु निम्न गतिविधि-बाल नाटापन की दृष्टि से आंगनवाड़ी केंद्रों में वजन दिवस के अवसर पर व्यापक मापन अभियान, वृद्धि निगरानी अभियान/स्वस्थ बालक स्पर्धा (सैम/मैम स्क्रीनिंग), आरबी.एस.के. टीम द्वारा स्कूली बच्चों (किशोर किशोरियों) की स्वास्थ्य जाँच कर उनकी पोषण स्थिति का मूल्यांकन, मोटापा निवारण हेतु जनपद स्तर पर पंचायती विभाग के सहयोग से जनआंदोलन के रूप में रैली एवं टीएचआर आधारित रेसिपी प्रतियोगिता, वृद्धि निगरानी संवर्धन पर जागरूकता सत्र।

द्वितीय थीम-पोषण भी पढ़ाई भी के अन्तर्गत गतिविधि-शिक्षा चौपाल विशेष रूप से आंगनवाडी केंद्रों में ईसीसीई लर्निंग कॉर्नर को बढाया देने के लिए, खिलौना - आधारित और खेल-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समुदाय केंद्रित खेलो और पढ़ो कार्यक्रम, स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने के लिए खेल-आधारित शिक्षा पर बच्चों और अभिभावकों के लिए प्रदर्शन सत्र/गतिविधि, स्वदेशी खिलौना मेला -आंगनवाडी केंद्रों के साथ स्वदेशी खिलौना बनाने की कार्यशाला, आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रीस्कूल तत्परता गतिविधि-वयस्कता का उत्सव मनाना (आंगनवाडी केंद्रों में प्रीस्कूल के लिए तैयार होना), लक्ष्य आयु के बच्चों के लिए खेल दिवस।

तृतीय थीम एक पेड़ मॉ के नाम आँगनवाड़ी केंद्रो, सरकारी विद्यालयों एवं पंचायत भवनों में वृक्षारोपण अभियान एक पेड मों के नाम पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ-साथ पौधारोपण, लाभार्थियों के अभिभावकों, पति, देखभालकर्ताओं, धार्मिक नेताओं आदि को पेडों को गोद लेना, वृक्षारोपण प्रयासों को पोषण उद्यान से जोडते हुए फलदार एवं औषधीय पौधों को बढ़ावा देना एवं पोषण उद्यान से जोड़ना। चतुर्थ थीम शिशु एवं बाल आहार प्रथाएं के अन्तर्गत सामुदायिक आधारित गतिविधियों (अन्नप्राशन दिवस, सुपोषण दिवस) के अवसर पर 6 माह के उपरांत सुरक्षित, पर्याप्त एवं उपयुक्त ऊपरी आहार पर केंद्रित पोषण परामर्श सत्र, मुख्य सेविका एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से सहयोगात्मक पर्यवेक्षण, ब्लॉक स्तर पर ट्रिपल ए टीम (आंगनवाडी कार्यकत्री, आशा कार्यकर्ती एवं ए.एन.एम) बैठक, आंगनबाडी केन्द्रों के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन, टी. एच.आर. आधारित ऊपरी आहार रेसिपियों का विवरण एवं प्रस्तुतीकरण पर प्रदर्शन सत्र। पंचम थीम पुरूष सहभागिता के अन्तर्गत पोषण संकल्प, वृक्षारोपण अभियान तथा शिशु एवं बाल आहार सत्र, सुपोषण दिवस के अवसर पर पोषण चौपाल का आयोजन।

सहायक आयुक्त स्टाम्प व उपनिबन्धक, सिराथू को स्टाम्प आंगणन करने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज सहायक आयुक्त स्टाम्प एवं उपनिबन्धक सिराथू के साथ जनपद के विभिन्न उपनिबन्धक कार्यालयों में पंजीकृत होने वाले विक्रय विलेखों में सबसे बडे मूल्य के विक्रय विलेख में से 02 विक्रय विलेख सख्या-4605/2025 एवं 4644/2025 का सत्यापन किया।

ज्ञात हो कि दोनो विक्रय विलेख मौजा उदहिन बुजुर्ग के है, जो सिराथू से धाता मुख्य मार्ग से सटी हुई और आबादी से 100 मीटर के अन्दर दर्शाया गया। मौके के अनुसार बिक्रीत कृषि भूमि मौजा- उदहिन बुजुर्ग की है, जो सिराथू से धाता मुख्य मार्ग से एवं आबादी से लगी पायी गयी है। उन्होंने सहायक आयुक्त स्टाम्प व उपनिबन्धक, सिराथू को स्टाम्प आंगणन करने के निर्देश दिए।

साइबर अपराध रोकथाम हेतु द्वि-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन के निर्देश पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गेश सभागार में साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा एवं जागरूकता विषयक दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 से 16 सितम्बर तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को साइबर अपराध की रोकथाम, जांच-तकनीक, डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण और सोशल मीडिया अपराधों से निपटने की जानकारी देना है। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों–जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया अपराध, बैंकिंग फ्रॉड–की पहचान एवं जांच प्रक्रिया से अवगत कराया। पहले दिन विशेषज्ञों ने साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों, व्यक्तिगत एवं संस्थागत स्तर पर अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण व जांच तकनीकों, तथा साइबर जागरूकता अभियानों की प्रभावी क्रियान्वयन विधियों पर विस्तृत जानकारी दी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह (साइबर नोडल अधिकारी) ने कहा कि साइबर अपराध वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसके रोकथाम हेतु पुलिस कर्मियों की दक्षता बढ़ाना और आमजन को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने तकनीकी प्रयासों और अभियानों की महत्ता पर भी प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जोनल साइबर अधिकारी एवं साइबर कमांडों द्वारा किया जा रहा है। मौके पर क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवाकांत सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन आज जिलाधिकारी कौशाम्बी को सौंपेगा ज्ञापन

कौशाम्बी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ सिंह के निर्देश पर तथा प्रदेश महामंत्री डॉ. संजय द्विवेदी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में सात सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन दिया जाएगा। इसी क्रम में जनपद कौशाम्बी में भी मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा जाएगा। मंडल अध्यक्ष सतीश गोयल एवं जिला अध्यक्ष रमेश चन्द्र अकेला के नेतृत्व में जनपद कौशाम्बी के पत्रकार 16 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे जिलाधिकारी कार्यालय पर एकजुट होंगे। इस दौरान पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा।

माटीकला टूल्सकिट्स वितरण योजना' विद्युत चलित चाक एवं पगमिल मशीन में लाभार्थियों का होगा साक्षात्कार

भदोही। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यू0 पी0 सिंह ने बताया कि उ0प्र0माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 'माटीकला टूल्सकिट्स वितरण योजना' विद्युत चलित चाक एवं पगमिल मशीन में प्राप्त आवेदन पत्रों के लाभार्थियों का चयन / साक्षात्कार हेतु अध्यक्ष/उपायुक्त उद्योग महोदय भदोही की अध्यक्षता में दिनांक 18 सितंबर 2025 को समय 12 बजे की तिथि निर्धारित की गयी है। जिन लाभार्थियों ने माटीकला टूल्सकिट्स वितरण योजना अन्तर्गत विद्युत चलित चाक एवं पगमिल मशीन हेतु आवेदन किये है, वे दिनांक 18 सितंबर 2025 समय 12 बजे स्थान-जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सिंहपुर ज्ञानपुर भदोही में आवेदन किये गये समस्त प्रपत्रो जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र आदि ।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 हेतु जनपदवासी क्यूआर कोड स्कैन कर दे अपने सुझाव-जिलाधिकारी

चयनित सुझावों को जनपद/प्रदेश स्तर पर किया जायेगा पुरस्कृत व सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के विजन डॉक्यूमेंट निर्माण हेतु जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने जनपदवासियों को जागरूक किया कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज देश के ग्रोथ इंजन के रूप में विकास की नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रहा है। "विकसित भारत" के स्वप्न को साकार करने हेतु 'विकसित उत्तर प्रदेश' का संकल्प आवश्यक है। "विकसित उत्तर प्रदेश 2047" के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु आपके अमूल्य सुझाव हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आप सभी के सुझाव 'समर्थ उत्तर प्रदेश' की संकल्पना की पूर्णता में 'मील का पत्थर' सिद्ध होंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 जनभागीदारी से ही निर्माण होगा। विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश का सपना केवल सरकार का ही नही, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का साझा लक्ष्य है। सरकार की कोई भी योजना तभी सफल होती है जब जनता उसे विश्वास और सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ाती है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना भी हर जनपदवासी के सहयोग से ही साकार होगी। आइए, हम सब मिलकर अपने विचारों व सुझावों से एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध 'नए उत्तर प्रदेश' का निर्माण करें।

जिलाधिकारी ने विजन डॉक्यूमेंट 2047 के निर्माण हेतु जनपदवासियों से विशेषकर जनप्रतिनिधियों, युवाओं, छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, व्यापारिक संगठनों, मीडिया बन्धुओं सहित प्रत्येक परिवार से सुझाव देने का अपील किया है। हर परिवार सीधे सरकार तक अपने सुझाव QR code अथवा https://samarthutt arpradesh. up.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन देने का कष्ट करें। सुझाव सबमिट करने पर शासन द्वारा ऑनलाईन सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। चयनित सुझावों को जनपद/ प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा। क्यूआर कोड का स्कैनर या समर्थ उत्तर प्रदेश डॉट यूपी डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल का लिंक डीएम भदोही के आफिसियल फेसबुक व एक्स ट्वीटर एकाउण्ट सहित जनपद में कलेक्टेड्रट, विकास भवन, पुलिस अधीक्षक, समस्त तहसीलों व विकास खण्ड कार्यालयों प्रमुख सर्वाजनिक स्थलों पर लगाये गये विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विषयक होर्डिग्स व स्टैण्डी पर उपलब्ध है।

शुद्धि- सूचना

सर्वधारण का सूचित किया जाता है कि विदिता विक्रम सिंह (VIDITA VIKRAM SINGH) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश विदिता विक्रम तथा पिता का नाम दिवाकर सिंह अंकित है जो कि गलत है, जबकि सही नाम विदिता विक्रम सिंह (VIDITA VIKRAM SINGH) तथा पिता का नाम दिवाकर विक्रम सिंह (DIWAKER VIKRAM SINGH) है जो कि आधार कार्ड में भी अंकित है, वास्तव मे लिखत-पढ़त में विदिता विक्रम सिंह (VIDITA VIKRAM SINGH) तथा पिता का नाम दिवाकर विक्रम सिंह (DIWAKER VIKRAM SINGH) को ही सत्य माना जाए जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

कविता सिंह
पत्नी दिवाकर विक्रम सिंह
निवासिनी आरबी 9/10 लाऊदर रोड
एम0जी0एम0 मार्ग कर्नलगंज प्रयागराज 30प्र0।
मो0 नं0 - 9450011955

शुद्धि- सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम शाहिल सिंह पुत्र वीर बहादुर सिंह है। जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या 442814429882 में उसका नाम प्रवीण सिंह अंकित हो गया है जो कि गलत है भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम शाहिल सिंह पुत्र वीर बहादुर सिंह के नाम से जाना व पहचान जाए।

एत्त द्वारा प्रमाणित किया जाता है उपयुक्त के संबंध में समस्त विधिक औपचारिकताएं स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।

वीर बहादुर सिंह
पुत्र राम भवन सिंह
लाला का पुरा, थरमपुर छेकवा उपहार, कौशांबी 212216

आकाश मिश्रा लोक जनशक्ति पार्टी के बने करछना विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्ष

करछना । लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की संस्तुति पर लोक जनशक्ति पार्टी के यमुना पार जिला अध्यक्ष त्रिवेनी प्रसाद पांडेय की ओर से करछना के ककरम गांव निवासी आकाश मिश्र को करछना विधानसभा का ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। यह जानकारी लोक जनशक्ति पार्टी के यमुना पार जिला अध्यक्ष टी पी पांडेय ने दी है। उन्होंने बताया कि आकाश मिश्र अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए लोक जनशक्ति पार्टी के संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। साथ ही संगठन को मजबूत करने में जिला स्तर तक आपकी भूमिका है।

जिंदल (इंडिया) लिमिटेड ने गोरखपुर में पहला 'मिलाप' रिटेलर मीट आयोजित कयिा, क्षेत्रीय उपस्थिति को और मज़बूत किया

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित बी.सी. जिंदल समूह का हिस्सा और भारत में अग्रणी डाउनस्ट्रीम स्टील उत्पाद निर्माताओं में से एक, जिंदल (इंडिया) लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में अपने प्रमुख रिटेलर मीट 'मिलाप' का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कंपनी के अधिकृत वितरक भूषण एजेंसीज़ के सहयोग से आयोजित इस मीट में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और लगभग 75 रिटेलर एक साथ आए, जिससे क्षेत्र में जुड़ाव और साझेदारी को मज़बूत करने के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ।

क्षेत्रीय पहुँच और विस्तार पर निरंतर ज़ोर देते हुए, जिंदल (इंडिया) लिमिटेड अपनी उपस्थिति को मज़बूत करने के लिए देश भर में रिटेलर मीट का आयोजन कर रहा है। गोरखपुर संस्करण के दौरान, कंपनी ने अपने उन्नत कोटेड स्टील उत्पादों के पोर्टफोलियो पर प्रकाश डाला, जिनमें से प्रत्येक को उद्योग-विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और जिसमें प्रदर्शन और टिकाऊपन पर ज़ोर दिया गया है।

मुख्य आकर्षणों में जिंदल सबरंग भी शामिल था, जो जिंदल (इंडिया) लिमिटेड की एक अभिनव पेशकश है, जो रंगीन कोटिंग विकल्पों की एक जीवंत श्रृंखला के साथ स्टील की दृश्य अपील को बढ़ाती है, जिसे बाहरी वातावरण में असाधारण संक्षारण प्रतिरोध प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। खुदरा साझेदारों को जिंदल रंगीन से भी परिचित कराया गया, जो विश्वसनीय प्रदर्शन प्रदान करने और मूल्य-सचेत ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन की गई रंगीन स्टील शीट की एक किफायती रेंज है।

जिंदल (इंडिया) लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने कहा, 'एक अग्रणी राष्ट्रीय कंपनी के रूप में, हम मौजूदा बाज़ारों में अपनी उपस्थिति को मज़बूत करने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में विस्तार करने की आकांक्षा रखते हैं। यह पहल हमें अपने मूल्यवान खुदरा साझेदारों से सीधे जुड़ने, उनकी ज़रूरतों को समझने और अपने नवीनतम उत्पादों का प्रदर्शन करने में मदद करती है। अपनी अनूठी और प्रीमियम पेशकशों के साथ, हम न केवल अपने साझेदारों के लिए उत्पाद विकल्पों का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि उन्हें उच्च-गुणवत्ता वाले, अभिनव समाधानों के साथ उद्योग की उभरती माँगों को पूरा करने में भी सक्षम बना रहे हैं।'

इस पहल के एक भाग के रूप में, जिंदल (इंडिया) लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के लिए कंपनी की योजनाओं पर भी चर्चा की, खुदरा विक्रेताओं से प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया प्राप्त की और उनके सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान किया। यह बैठक जिंदल (इंडिया) लिमिटेड को खुदरा साझेदारों के साथ नेटवर्क बनाने, पूरे क्षेत्र में विकास को गति देने और एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में कंपनी की स्थिति को और मज़बूत करने में मदद करती है।

डीएम ने आई.जी.आर.एस. शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर अग्रणी जिला प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए संदर्भवार स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। आई.जी.आर.एस. में प्राप्त संदर्भों का समयबद्ध ढंग से गुणदोष के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता है, जिसकी समीक्षा शासन द्वारा की जाती है। विभागीय ऋण योजनाओं के लाभार्थियों सहित बैंक खाता धारकों द्वारा गत एक वर्ष में आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर अधिक संख्या में की गई, शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा किए जाने पर यह पाया गया कि 01 अगस्त 2024 से 12 सितंबर 2025 की अवधि में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेंटर द्वारा लिए गए फीडबैक में जनपद कौशाम्बी के बैंकों से सम्बन्धित कुल प्राप्त 128 शिकायतों में 50 प्रतिशत अर्थात् 64 आवेदकों ने असंतुष्ट फीडबैक दिया गया है, जिस पर शासन द्वारा घोर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। इस स्थिति से यह परिलक्षित होता है कि अग्रणी जिला प्रबंधक द्वारा बैंकों की शिकायतों से संबंधित निस्तारण आख्याओं का परीक्षण किए बिना ही गुणवत्ताहीन आख्याओं को भेजकर आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर निस्तारित कराए जाने का प्रयास किया गया है, जो शासन की मंशा के सर्वथा विपरीत है।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने अग्रणी जिला प्रबंधक रविकान्त मौर्य को निर्देशित किया है कि असंतुष्ट फीडबैक के 64 प्रकरणों के निस्तारण में बरती गई शिथिलता के सम्बन्ध में कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के अन्दर संदर्भवार कारण दर्शित करें कि क्यों न शासन के निर्देशों के विपरीत आई.जी.आर.एस. संदर्भों का गुणवत्ताहीन निस्तारण करने, मासिक समीक्षा बैठकों में दिए गए निर्देशों की अवहेलना करने के लिए, आपके विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही प्रस्तावित की जाय, जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जिलाधिकारी ने कंपोजिट विद्यालय उदीहिन बुजुर्ग का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने आज कंपोजिट विद्यालय उदीहिन बुजुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका के अवलोकन किया, प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह एवं सहायक अध्यापकगण-कमला देवी, अरविंद कुमार सरोज, राजेश सिंह, विभा सिंह, रीता शर्मा, विनय कुमार व ध्रुव नारायण उपस्थित पाए गए। उन्होंने प्रत्येक कक्षा का भ्रमण कर बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि स्कूल में पढ़ाए गए लेशन का घर जाकर अभ्यास अवश्य करें। उन्होंने प्रधानाध्यापक को मीनू के अनुसार मानक के अनुरूप बच्चों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसील सिराथू के अंतर्गत आई.जी.आर.एस. शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का किया भौतिक सत्यापन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने तहसील सिराथू में आई.जी.आर.एस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का मौके पर जाकर उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ एवं शिकायतकर्ता की उपस्थिति में भौतिक सत्यापन किया।

ज्ञात हो कि आई.जी.आर.एस. संदर्भ संख्या-92517400016410 शिकायतकर्ता दशरथ प्रसाद निवासी- उदहिन बुजुर्ग के द्वारा आराजी संख्या 464 का सीमांकन कराने के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया गया था। इस प्रकरण की स्थलीय व अभिलेखीय जांच नायब तहसीलदार से करायी गयी थी, जॉचोपरान्त पाया गया कि गाटा संख्या 464 रकबा 0.870हे0 बंजर खाते की भूमि है। जिसके अधिकांश भाग पर पूर्व से आबादी बसी है। मौके पर कोई नया निर्माण कार्य नही हो रहा है। आवेदक के समक्ष इस आराजी 464 का सीमांकन किया गया। आवेदक को बताया गया कि खाली पडी, आंशिक भूमि 464 की है। शिकायत का निस्तारण सही पाया गया।

आई.जी.आर.एस. संदर्भ संख्या-92517400016628, 16254 शिकायतकर्ता दशरथ प्रसाद पुत्र छोटेलाल आदि निवासी-उदहिन बुजुर्ग द्वारा बंजर खाते की भूमि 487, 490, 491 में हो रहे अवैध कब्जा को मुक्त कराने के सम्बन्ध में शिकायत की थी। प्रकरण की स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच नायब तहसीलदार से करायी गयी। जांचोपरांत पाया गया कि ग्राम उदहिन बुजुर्ग की गाटा संख्या 487/0. 2170 हे0, 490/0.5890 हैं0, 491/0.4280 हे0 राजस्व अभिलेखो में बंजर के खाते की भूमि है। इन गाटो के आंशिक भाग पर पूर्व से आबादी बसी हुई है। विपक्षी के द्वारा गाटा में किसी प्रकार का नया निर्माण नही हो रहा है। शिकायत का निस्तारण सही पाया गया।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का शुभारंभ

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए गाड़ी संख्या 16601/16602 ईरोड जं.-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक) के शुभारंभ का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी का नियमित संचालन दिनांक 25.09.2025 से प्रत्येक गुरुवार को ईरोड स्टेशन से एवं दिनांक 28.09.2025 से प्रत्येक रविवार को जोगबानी स्टेशन से निम्नलिखित समय सारिणी के अनुसार संचालित होगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 16601/16602 ईरोड जं.-जोगबनी अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक) रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 16601 ईरोड जं. - जोगबनी			गाड़ी संख्या - 16602 जोगबनी - ईरोड जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	08:10 (गुरु)	ईरोड जं. ▲	07:20 (बुध)	----
23:40	23:42	मानिकपुर	11:18	11:20
00:01	00:03	डभौरा	10:28	10:30
00:53	00:55	जसरा	08:48	08:50
01:30	01:35	प्रयागराज छिवकी	08:20	08:25
02:28	02:30	विंध्याचल	06:38	06:40
03:05	03:07	चुनार	06:03	06:05
19:00 (शनि)	----	▼ जोगबनी	----	15:15 (रवि)

ईरोड जं. से:- गाड़ी संख्या 16601, दिनांक 25.09.2025 से प्रत्येक गुरुवार को
जोगबनी से:- गाड़ी संख्या 16602, दिनांक 28.09.2025 से प्रत्येक रविवार को
गाड़ी संरचनाः- सामान्य श्रेणी- 11, स्लीपर- 08 एवं पेन्ट्रीकार- 01

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1680/25(A)

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में उमा यादव को मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक उच्च शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण - राज्यपाल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 30 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 20वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति में मुक्त विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण है।समाज के कम से कम 50ङ युवाओं की पहुंच उच्च शिक्षा तक होनी चाहिए। इसमें मुक्त विश्वविद्यालय को अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय यह कार्य अपने क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से पूरा कर सकता है।

दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता के लिए ऑनलाइन सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने बिगड़ते पर्यावरण पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने इस अवसर पर उच्च प्राथमिक विद्यालय बेरुई के बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर दी गई प्रस्तुति की सराहना की। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने महिलाओं में बढ़ते सरवाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीनेशन की मुहिम के लिए जन सहभागिता की अपील की। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को कैंसर से बचाव के लिए जो मुहिम चलाई है उसमें प्रशासनिक अधिकारी अपना सहयोग प्रदान करें।

विशिष्ट अतिथि योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने उपाधि एवं स्वर्ण पदक प्राप्त शिक्षार्थियों से कहा कि वैश्वीकरण के इस युग में उन्हें आधुनिक विज्ञान और तकनीक का ज्ञान अर्जित करना होगा। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालय, वर्चुअल लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम जैसी सुविधाएं शिक्षा के स्वरूप को बदल रही है। उपाध्याय ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का महत्व इसी कारण और भी बढ़ गया है क्योंकि यह उन विद्यार्थियों तक दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षा पहुंचा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन, बेरोजगारी, जनसंख्या वृद्धि, पर्यावरण संकट और सामाजिक असमानता जैसी अनेक चुनौतियां हमारे सामने होंगी, जिनके समाधान के लिए शिक्षित, सजग और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी तिवारी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ ज्ञान को जीवन से जोड़ना है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वह मूल्य और संस्कार को आत्मसात करते हुए अपने व्यक्तित्व को ऐसा बनाएं जो समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी हो। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने न केवल हमारी जीवन शैली बदल दी है बल्कि शिक्षा के स्वरूप को भी नई दिशा दी है। श्रीमती तिवारी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार होगा जब युवा अपनी उर्जा, ज्ञान और नवाचार से इसमें योगदान देंगे।

20वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 27 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 15 स्वर्ण पदक छात्राओं तथा 12 स्वर्ण पदक छात्रों ने प्राप्त किए। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर-2024 तथा जून-2025 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण 28421 शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी, जिसमें 17268 पुरूष, 1 ट्रांस्जेंडर तथा 11152 महिला शिक्षार्थी हैं। इस अवसर पर उपाधियों एवं अंकपत्रों को डिजीलॉकर में अपलोड कर प्रसारित किया गया। 20वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटल ने क्षेत्रीय केंद्र

अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक विज्ञान की छात्रा सुउमा यादव को दिया।सुउमा ने बी.एस.सी. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा वे समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक एवं परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं।

इसके साथ ही राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम.ए. (संस्कृत) की छात्रा सविता प्रजापति, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र से सम्बद्ध एम.ए. (राजनीति विज्ञान) के छात्र आदित्य तिवारी , प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.बी.ए. की छात्रा सृष्टि यादव, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. के छात्र सुश्रुत कुमार पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम.ए. (शिक्षाशास्त्र) के छात्र गिरजा शंकर, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आगरा से सम्बद्ध एम.एस.सी. (जैव रसायन) के छात्र सोमेश भारद्वाज, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ से सम्बद्ध एम0एस0सी0 (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्रा नेहा कनौजिया प्रमुख रहीं।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने स्नातक वर्ग में भी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विद्याशाखाओं के 07 टापर्स को दिये। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र राजकमल नन्दा, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0ए0) के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, आजमगढ़ से सम्बद्ध स्नातक (बी0कॉम0) के छात्र प्रदुम्न चौहान, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0सी0ए0) के छात्र सूरज कुमार, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एड0) की छात्रा श्वेता सिंह, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक (बी0एस0सी0) की छात्रा उमा यादव, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, झांसी से सम्बद्ध स्नातक (बी.एस.सी. ह्यूमन न्यूट्रीशन) की छात्रा हुमैरा हलीम प्रमुख रहीं।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने12 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। जिनमें बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की छात्रा श्वेता सिंह , जोहरा अहमद मिर्जा स्मृति स्वर्ण पदक प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध एम.सी.ए. की छात्रा अंकिता कुमारी, कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.बी.ए. की छात्रा सृष्टि यादव, स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक कला के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय , स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम.ए. (राजनीति विज्ञान) के छात्र आदित्य तिवारी, प्रो. एम. पी. दुबे पर्यावरण/ गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध स्नातक कला के छात्र उत्कर्ष पाण्डेय, प्रो. एम. पी. दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एड0 की दामिनी सिंह, महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध एम0ए0 (हिन्दी) के छात्र रत्नेश द्विवेदी, स्वर्गीय प्रो. सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केंद्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी. एड. की छात्रा श्वेता सिंह, संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक महिला वर्ग में क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज से सम्बद्ध एम0बी0ए0 की छात्रा सृष्टि यादव, स्व0 श्रीमती चारूल पाण्डेय स्मृति स्वर्ण पदक क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ से सम्बद्ध स्नातकोत्तर (फूड एण्ड न्यूट्रीशन) की छात्रा नेहा कनौजिया तथा स्व0 डॉ0 मुरली धर तिवारी स्मृति स्वर्णपदक क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या से सम्बद्ध बी0एस0सी0 (स्नातक विज्ञान) की छात्रा उमा यादव प्रमुख रहीं।

हिंदी पखवाड़ा में मलिन बस्ती के बच्चों ने किया कविता पाठ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को संस्कार वाटिका न्यास में कविता पाठ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मलिन बस्ती के 70 बच्चों ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं और हिंदी के प्रति अपनी आस्था को शब्दों में ढाला। केंद्र द्वारा समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया ।

इस अवसर पर आकांक्षा ने कविता पढ़ा 'हिंदी से ही है पहचान हमारी, यही है किलकारी।'अंकित ने भावनाओं को शब्द देते हुए कहा'भाषा का दीप जलाते रहेंगे, हिंदी से बंधन निभाते रहेंगे।' खुशी ने अपनी मधुर आवाज़ में श्रोताओं को प्रभावित किया 'हिंदी है माँ की बोली प्यारी, भारत की यह शान हमारी।' जबकि सुंदरम ने जोशपूर्ण अंदाज में कविता पढ़ी 'हिंदी का मान बढ़ाएँ हम सब, ज्ञान का दीप जलाएँ हम सब।' इसके अलावा दिव्या, आयुष ने कविता पढ़कर वहाँ उपस्थित लोगों का दिल जीत लियाबच्चों की इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

नलकूप की नालियां टूटी किसान परेशान

थरवई। विकासखंड सोराम के ग्राम जगदीशपुर पूरे चंदा में किसानों को सिंचाई की भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में स्थापित राजकीय नलकूप संख्या पाँच-एस की नाली जगह-जगह से टूटी और क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिसके चलते किसानों की धान सहित अन्य फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने बताया कि नाली टूटने से पानी खेतों तक नहीं पहुँच पा रहा है। मजबूर होकर ग्रामीण किसान आपस में चंदा इकट्ठा कर अस्थायी रूप से नाली की मरम्मत का प्रयास कर रहे हैं, ताकि किसी तरह फसलों को बचाया जा सके।किसानों का आरोप है कि नलकूप प्रखंड द्वितीय के जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह निष्क्रिय बने हुए हैं। उनकी लापरवाही के कारण किसानों को अपने स्तर पर ही मेहनत और पैसा लगाकर सिंचाई करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते नालियों की मरम्मत नहीं कराई गई तो धान की फसल के साथ-साथ अन्य खरीफ फसलें भी प्रभावित होंगी। किसानों ने विभागीय अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई कर नालियों की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

मंत्री नन्दी के बहादुरगंज आवास पर पहुंची राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रागराज। सोमवार को संगम नगरी प्रयागराज में प्रवास के दौरान राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के बहादुरगंज स्थित आवास पर पहुंचीं। जहां मंत्री नन्दी के साथ ही प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने सपरिवार राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मंत्री नन्दी एवं पूर्व महापौर ने पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर राज्यपाल को सम्मानित किया। इस दौरान राज्यपाल ने मंत्री नन्दी के पुत्र अभिषेक गुप्ता एवं पुत्रवधू से भी मुलाकात की।

मंत्री नन्दी ने राज्यपाल को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र की ऐतिहासिकता के साथ ही भौगोलिक स्थिति एवं विकास कार्यों से अवगत कराते हुए

उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस दौरान मंत्री नन्दी ने अपने सहयोगियों से मुलाकात कराते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र में आम जनता के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मंत्री नन्दी ने कहा कि राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल का जीवन स्वयं एक प्रेरक उदाहरण है। एक शिक्षक के रूप में समाज निर्माण के संकल्प से लेकर गुजरात की मुख्यमंत्री और अब देश के सबसे बड़े राज्य की राज्यपाल के रूप में आपकी यात्रा सदैव प्रेरित करती है।

हिन्दी का वैश्विक प्रचार हो हिन्दी, प्रप्ताह का हुआ शुभारम्भ

प्रागराज। इफको फूलपुर इकाई में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ प्रशिक्षण केन्द्र के सभागार में हुआ। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने कहा कि भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया तथा हिंदी का वैश्विक प्रचार करने के उद्देश्य 10 जनवरी 1975 को नागपुर में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान हिंदी भाषा से है तथा यह सभी देशवासियों को जोड़ने वाली भाषा है। महाप्रबंधक उत्पादन संजय भंडारी ने कहा कि यह वह भाषा जिसने हमें तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, प्रेमचंद जैसे रत्न दिये है, ये हमारी पहचान है तथा हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व है। महाप्रबंधक अनुरक्षण पीके सिंह ने कहा कि हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें तथा इसका प्रचार करें। हिंदी कार्यसमिति के संयोजक अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि हिंदी दिवस हिंदी भाषा के गौरव को आत्मसात करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग हर क्षेत्र में करें हमें हिंदी को विश्व भाषा के रूप में विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अतिरिक्त निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में इफको कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन हेमलता सिजोरिया ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, पी.के.त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर तथा बड़ी संख्या इफको कर्मचारी मौजूद रहे।

एलआईसी इलाहाबाद मंडल में प्रशिक्षण संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इलाहाबाद मंडल की नगर शाखा पाँच के प्लैटिनम ब्रिगेड टीम के मुख्य जीवन बीमा सलाहकार मनीष गुप्ता द्वारा प्रशिक्षण संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ मंडल प्रबंधक अनिल कुमार एवं मार्केटिंग मैनेजर प्रदीप कुमार सक्सेना ने दीप प्रज्वलित कर किया।

संगोष्ठी में प्रबंधक संदीप सेठ ने प्रतिभागियों को एलआईसी में हो रहे तकनीकी बदलावों और नए योजनाओं की जानकारी दी। वरिष्ठ शाखा प्रबंधक रामदेव ने मनीष गुप्ता की टीम की सराहना करते हुए कहा कि उनके व्यवसायिक प्रयासों से नगर शाखा पाँच को मंडल स्तर पर नई पहचान मिल रही है।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल प्रबंधक अनिल कुमार ने मनीष गुप्ता की टीम के उत्कृष्ट कार्य करने वाले

सदस्यों को सम्मानित किया। प्रमुख सदस्यों में पल्लवी श्रीवास्तव, मनोज केसरवानी, प्रमोद अरोड़ा, ज्योति गुप्ता, करिल लूथरा, नितिन मिश्रा, आनंद मोहन, संजय केसरवानी, श्वेता चावला, प्रदीप पांडे, राजेंद्र प्रसाद सिंह, रश्मि कनौजिया, अनिल अग्रवाल, राजेश श्रीवास्तव, रवि कनौजिया, मुकेश गुप्ता, विजेता सिंह, संजय जयसवाल, दीपेश सिंघल, अपूर्व बनर्जी, प्रेमपाल गुप्ता, संदीप दुबे सहित कई अन्य शामिल रहे।

अपने उद्बोधन में मनीष गुप्ता ने कहा कि एलआईसी एजेंसी के माध्यम से कोई भी व्यक्ति आकर्षक कमीशन व बीमा सखी योजना एवं सीसीए योजना के तहत मासिक स्टाइपेंड प्राप्त कर सम्मानजनक आय अर्जित कर सकता है। उन्होंने इच्छुक व्यक्तियों से एलआईसी एजेंसी लेकर अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उप प्रबंधक अजय श्रीवास्तव, राम नगीना, मोहम्मद अफजल, अंकित जायसवाल, रंजना कसगर, शैलेश मिश्रा, रेखा विश्वकर्मा, अनुकूल मिश्रा, गोविंद थापा, उदय पाल, शशि जायसवाल, अविनाश जायसवाल, गौतम आनंद, नीलम द्विवेदी, आलोक गुप्ता, पंकज केसरवानी, अनुराग जायसवाल, निभा श्रीवास्तव, अमरेश द्विवेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन राना चावला ने किया।

डॉ. अजय कुमार सोनकर का शोध पत्र लैटिन अमेरिका में प्रकाशित होगा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। वेनेजुएला एक्वाकल्चर सोसाइटी ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समुद्री जीव विज्ञानी एवं ऑनशोर पर्ल फार्मिंग तकनीक के प्रणेता डॉ. अजय कुमार सोनकर के नवीनतम वैज्ञानिक लेख का स्पेनिश भाषा में अनुवाद कर अपने आधिकारिक पत्रिका एल एक्यूइकल्टोर में प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। यह उपलब्धि डॉ. सोनकर के सतत एवं नवाचारपूर्ण ऑनशोर मोती उत्पादन शोध को लैटिन अमेरिकी एक्वाकल्चर समुदाय तक पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। एल एक्यूइकल्टोर त्रैमासिक रूप से प्रकाशित होने वाली इस क्षेत्र की प्रमुख वैज्ञानिक पत्रिका है। हाल ही में इन्फोफिश इंटरनेशनल और जलीय कृषि यूरोप जैसी विश्व की अग्रणी वैज्ञानिक संस्थाओं द्वारा उनके शोध को मान्यता मिलने के बाद, यह नया अवसर भारत की वैश्विक समुद्री जैव-प्रौद्योगिकी में अग्रणी भूमिका को और मजबूत करता है।

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया गया हिंदी दिवस : राष्ट्रीय एकता का भी प्रमुख साधन है हिंदी-मालवीय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र, झूंसी प्रयागराज में हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा और विकसित भारत का संकल्प विषय पर ज्ञानोत्सव के रूप में गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश कुमार दुबे ने की। प्रोफेसर दुबे ने कहा कि हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे। हिंदी ने भारत की विविध भाषाओं के बीच सेतु का कार्य करते हुए राष्ट्रीय एकता और समरसता को बढ़ावा दिया है। हिंदी ने न केवल भारत का नेतृत्व भाषा के रूप में किया है, बल्कि यह देश की सांस्कृतिक आत्मा और सामाजिक सामंजस्य की कड़ी बनकर उभरी है। हिंदी के विकास के साथ ही भारत ने अपनी विविधताओं के बीच एकता को भी मजबूत किया है। इसे आगे बढ़ाने और समृद्ध करने की जिम्मेदारी हम सब की है। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम सभी सरकार, नागरिक, युवा एवं विभिन्न संस्थानों को मिलकर काम करना होगा। यह संकल्प हमारे देश को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और समृद्ध भारत की नींव रखेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज के डॉ. अमित मालवीय रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी का विरोध इसलिए होता है क्योंकि हिंदी लगातार आगे बढ़ रही है। भारत के किसी भी कोने या राज्य में जाएं, वहां हिंदी की उपस्थिति और समझ आपको सहज ही मिलती है। हिंदी देश की सबसे व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा होने के साथ ही एक ऐसी भाषा है जो भले ही विभिन्न राज्यों में स्थानीय भाषाओं के साथ मिश्रित हो, लेकिन सार्वभौमिक स्तर पर संवाद का माध्यम बनी हुई है। हिंदी भाषा का कोई दूसरा विकल्प हमारे देश में नहीं है, क्योंकि हिंदी न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता का भी प्रमुख साधन है। हिंदी वह भाषा है जो देश के अधिकतर हिस्सों में समझी और बोली जाती है और जो विभिन्न भाषाई समुदायों को आपस में जोड़ती है। इस अवसर पर स्त्री अध्ययन विभाग की सह आचार्य डॉ. सुप्रिया पाठक ने कहा कि हिंदी केवल शब्दों का समूह नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, साहित्य, परंपरा और सामूहिक चेतना का वाहक है। हिंदी हमारे रोम-रोम में इसलिए समाई हुई है क्योंकि यह हमारी बोली, हमारी भावनाओं और हमारे विचारों की सहज अभिव्यक्ति है। जब हम बोलते हैं, गाते हैं, या कहानियाँ सुनते हैं, तो उसके पीछे हिंदी की ही आत्मा जीवित रहती है। हिंदी हम सब के रोम-रोम में समाई हुई है, हिंदी हमारे माथे की बिंदिया है जिसके बिना हम सुशोभित भी नहीं होते। हम हिंदी के सैनिक इसकी गरिमा और अस्तित्व की रक्षा करते हैं। हम सब हिंदी के सैनिक हैं। हिंदी विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा है और हिंदी हमारी अस्मिता की पहचान भी है। हिंदी दिवस के अवसर पर स्त्री अध्ययन विभाग की सह आचार्य डॉ. अवंतिका शुक्ला ने कहा कि हर समाज और राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा से होती है। हमारी मातृभाषा हमें विचारों की स्वतंत्रता, भावनाओं की सच्चाई और संस्कृति से जुड़ाव प्रदान करती है। यदि हम अपनी भाषा का मूल्य नहीं समझेंगे, तो राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक धरोहर भी कमजोर पड़ सकती है। हमें अपनी भाषा का बहुत सम्मान करना है अगर हम अपनी भाषा का सम्मान नहीं करेंगे तो हम अपने राष्ट्र कभी सम्मान नहीं करेंगे हमें दूसरी भाषाओं के साथ भी संबंध बनाने की आवश्यकता है। हिंदी दिवस के अवसर पर जनसंचार विभाग के सहायक आचार्य डॉ.अख्तर आलम ने कहा कि हिंदी भाषा के उत्थान और विकास में मीडिया और सिनेमा ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हिंदी न सिर्फ भारत की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है, बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी पहचान बना रही है। हिंदी दिवस के अवसर पर डॉ. आशा मिश्रा, डॉ. यशार्थ मंजुल, डॉ. विजया सिंह, डॉ. बिश्वजीत नारायण, डॉ.अश्विनी कुमार सिंह, हिंदी दिवस और विकसित भारत का संकल्प विषय पर अपना वक्तव्य रखा। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। केंद्र के अकादमिक निदेशक ने अतिथियों को विश्वविद्यालय का स्मृति चिन्ह, शॉल और सूत की माला देकर स्वागत किया । कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार अनुवाद विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सत्यवीर ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन समाजकार्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मिथिलेश तिवारी ने किया। इस अवसर पर जयेंद्र जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवन राम प्रजापति, रोहित पीतांबर, अभिषेक चंद्रा, रश्मि, प्रत्यूष शुक्ल, उमेश शर्मा, राजकुमार यादव , मंजरी कुशवाहा , दीक्षा द्विवेदी, श्वेता पाण्डेय, अनन्या शुक्ला, प्रशांत पाण्डेय, प्रभात मिश्रा, खुशबू सिंह, दीपेश कुमार सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

रोटरी एकेडेमिया का 5व स्थापना दिवस बांटी गई सिलाई मशीने

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रोटरी क्लब एकेडेमिया ने अपना 5वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट 3120 के डीजीएन रोटेरियन दिनेश गर्ग रहे।

क्लब का मुख्य उद्देश्य 'खुद से पहले सामुदायिक सेवा' को आगे बढ़ाते हुए इस अवसर पर क्लब द्वारा संचालित सिलाई सेंटर उड़ान से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बेटियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा उनके आत्मनिर्भर जीवन के लिए 15 सिलाई मशीनें भेंट की गईं।

सितंबर माह को रोटरी का शिक्षा माह मानते हुए क्लब के सदस्यों ने सामूहिक रूप से 19 बेटियों की वार्षिक फीस का जिम्मा उठाया। इसके अतिरिक्त एक छात्र की कक्षा 1 से 12वीं तक की पूरी फीस जमा की गई, जिसकी कुल राशि ?3, 87, 000 रही।

कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्यों ने क्लब की नींव रखने वाले रोटेरियन तारिक खान और रोटेरियन डॉक्टर अफरोज जहां का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस तरह का मंच प्रदान किया। इस अवसर पर क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. नाज़िम, सेक्रेटरी रिज़वानी खान तथा आईपीपी रोटेरियन आफ़ताब अहमद ने सभी सदस्यों और अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन क्लब की उपाध्यक्ष असरा नवाज़ एवं एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी अलीना खान ने किया।

सामूदायिक सेवा के पश्चात पांचवीं वर्षगांठ केक काट के मनाई गई । गीत , संगीत , शेरों शायरी ने शाम जीवंत कर दिया । इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य अपने परिवार के साथ उपस्थित रहे जिनमें विशेष तौर पर रोटेरियन मीना खान , डॉ. तबस्सुम बानो, डॉ. सराह मुख़्तार, अहमद माकिन, सईद अशरफ, मधु श्रीवास्तव , शीबा खान , तारिक़ सलमान, डॉ. क़दीर, डॉ. ग़ज़ाला इक़बाल, हमीम अहमद , परवेज़ अहमद , शम्स तबरेज़, डॉ. अरीज़ क़ादरी, डॉ. फ़िरोज़ उद्दीन, डॉ.मोहम्मद रशीद, फरीद अहमद शामिल रहे ।

सम्पादकीय

वक्फ संशोधन विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले में छिपा है संतुलन और संवैधानिकता का संदेश

सुप्रीम कोर्ट ने वक़्फ़ (संशोधन) अधिनियम 2025 पर दिए गए अपने अंतरिम आदेश में एक बार फिर भारतीय न्यायपालिका की उस परंपरा को दोहराया है, जिसमें संसद द्वारा बनाए गए कानून को संवैधानिक रूप से वैध मानने की धारणा सर्वोपरि होती है। न्यायालय ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार किया, लेकिन कुछ प्रमुख प्रावधानों पर अस्थायी रोक लगाकर यह संदेश दिया कि कानून बनाने की प्रक्रिया और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वक़्फ़ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या सीमित रहनी चाहिए। केंद्रीय वक़्फ़ परिषद में चार से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य न हों और राज्य स्तर पर भी इसी प्रकार की सीमा लागू हो। देखा जाये तो यह निर्णय एक संवेदनशील धार्मिक संस्था के चरित्र को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी माना कि प्रशासनिक दृष्टि से गैर-मुस्लिम को सीईओ बनाना पूरी तरह असंवैधानिक नहीं है, लेकिन 'जहाँ तक संभव हो' मुस्लिम सीईओ की नियुक्ति ही की जानी चाहिए।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगाई, जिसके तहत सरकार किसी भूमि विवाद के दौरान वक़्फ़ संपत्ति को डिरेकोग्नाइज़ कर सकती थी। यह प्रावधान 'ि्ंदह द ज्दी' (शक्तियों का पृथक्करण) के सिद्धांत के विरुद्ध माना गया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संपत्ति का अधिकार और स्वामित्व तय करने का अधिकार केवल न्यायाधिकरणों और अदालतों का है, न कि कार्यपालिका का। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जब तक विवाद का अंतिम निपटारा नहीं होता, तब तक वक़्फ़ भूमि पर कोई तृतीय पक्ष अधिकार न बनाया जाए।

हम आपको बता दें कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पीठ ने इस आदेश में एक बुनियादी सिद्धांत रेखांकित किया–संसद के कानूनों को 'प्रथम दृष्टया' वैध मानना चाहिए और केवल असाधारण परिस्थितियों में ही उन पर रोक लगनी चाहिए। यह विचार लोकतंत्र में संसद की सर्वोच्चता और न्यायपालिका की निगरानी–दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

देखा जाये तो यह आदेश केवल वक़्फ़ कानून तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक विमर्श का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन, अल्पसंख्यक अधिकारों और संविधानिक संतुलन के प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुसांस्कृतिक समाज में कानून बनाना मात्र एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द का संवेदनशील प्रयास भी है।

फैसले को देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय न तो वक़्फ़ बोर्डों की स्वायत्तता को पूरी तरह नकारता है और न ही सरकार को असीमित अधिकार देता है। यह एक संवैधानिक सेफगार्ड है, जो यह सुनिश्चित करता है कि संसद द्वारा बनाए गए कानून न्याय की कसौटी पर खरे उतरें। अंतिम सुनवाई में जो भी फैसला आएगा, वह न केवल वक़्फ़ संस्थानों के भविष्य को प्रभावित करेगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि भारत में धार्मिक संपत्तियों और संवैधानिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे साधा जाए।

जीएसटी दरों के कम हो जाने का लगभग 400 वस्तुओं पर पड़ेगा असर
अमेरिका टैरिफ के बावजूद भारत के आर्थिक विकास की गति नहीं होगी धीमी

इस समय यह उम्मीद विरोधाभास से भरी हुई लगती है कि सरकार अपने प्रयासों से महंगाई पर नियंत्रण पा लेगी और बाजारों में वस्तुओं का सस्ता दौर आ जाएगा। विरोधाभास इसलिए कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में बरसात और बाढ़ के कारण जानमाल का व्यापक नुकसान हुआ है और उत्पादित वस्तुएं उचित परिवहन के अभाव में नष्ट हो रही हैं। ऐसे में यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि सरकार की महंगाई नियंत्रण और सस्ते दिन ले आने की परिकल्पना सही साबित होगी। मगर देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार यह कहते हैं कि अमेरिका की ओर से भारत के निर्यात पर भारी शुल्क लगा देने के बावजूद देश में आर्थिक विकास की गति धीमी नहीं होगी या उसी तरह बनी रहेगी।

यह भी कहा जाता है कि इस वर्ष की पहली तिमाही में देश के आर्थिक विकास की गति 7.8 फीसद से आठ फीसद तक रही, तो यह एक उम्मीद और राहत भरी बात है। जिस तरह घरेलू निवेशकों का रुख देश के उत्पादन और निवेश को निरुत्साह न होने देने का है, इसी प्रकार सरकार पूंजीगत निवेश के साथ एक ऐसा नया ढांचा बनाने की कोशिश कर रही है, जिससे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी।

कल्पना चाहे कितनी भी लुभावनी क्यों न हो, लेकिन यह भी सच है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने वक्तव्यों में भारत के प्रति कभी हां और कभी न की नीति पर चलते हुए पचास फीसद शुल्क को घटाने के लिए फिलहाल तैयार नजर नहीं आते हैं। उनके आर्थिक सलाहकारों के बयान भी यही आ रहे हैं कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदकर और उसे परिशोधित करके यूरोप तथा तीसरी

दुनिया के देशों को बेचकर इतना लाभ कमाया है कि उस पर दंड स्वरूप यह शुल्क लगना ही चाहिए।

मगर भारत सरकार ने अमेरिकी शुल्क से अपने निर्यात उद्योगों को हतोत्साह होने से बचाने के लिए जीएसटी दरों में सुधार के जरिए कर में राहत दी है। अब कर की दो दरें पांच फीसद और अठारह फीसद है। बारह और अट्ठाईस फीसद की कर श्रेणी को खत्म कर दिया गया है। जीएसटी प्रणाली देश में एक जुलाई 2017 को लागू की गई थी। अब आठ साल बाद भले ही इसमें व्यापक सुधार किया गया है, लेकिन इससे निवेश घटने की आशंका भी बनी रहेगी।

सरकार को उम्मीद है कि जीएसटी दरों के कम हो जाने का असर लगभग 400 वस्तुओं पर पड़ेगा। जब कर घटेंगे तो निवेश की प्रतिस्पर्धी ताकतें भी मैदान में आ जाएंगी और इस तरह से निर्यात क्षेत्र में निवेश की कमी से जो असर होगा, वह वस्तुओं के सस्ता हो जाने के कारण नए उत्पादन को बढ़ावा देगा। सरकार को ऐसी हालत में नवउद्यमों से भी बहुत उम्मीदें हैं और माना जा रहा है कि अगर भारत की पहचान उसकी घरेलू दस्तकारी या कुटीर और लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने के रूप में सामने आए तो इससे देश में बेरोजगारी की वह जटिल समस्या हल होने लगेगी, जिसे अभी तक अनुकंपा और मुफ्तखोरी की नीति से संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है।

लेकिन कुछ और संभावनाएं भी हैं, जिनको ऐसे वक्त में हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। एक संभावना तो यही है कि चाहे जीएसटी की दरें कम हो रही हैं, पर क्या इसका असर उन सभी 375 वस्तुओं पर दिखाई देगा, जिनके कर कम हो रहे हैं। या करों की इस कमी को अपने ही उदर में समेटते हुए उत्पादक न तो अपना निवेश या उत्पादन बढ़ाएंगे और न ही रोजगार की नई संभावनाएं पैदा होंगी। ऐसे में अमेरिकी शुल्क का मुकाबला करने के लिए जीएसटी दरों में सुधार का असर एक सीमित स्तर पर ही हो पाएगा।

विशेषज्ञों ने इस संभावना की तहकीकात की है। उनका कहना है कि 22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू हो जाएंगी, लेकिन क्या उसके मुताबिक बाजार में भी सस्ती वस्तुओं का दौर शुरू हो जाएगा। अभी तक देश के बाजारों में ऐसा वातावरण है कि शुरू की रियायतें तो आम जनता को नहीं दी जातीं और कंपनियां उन्हें अपने पूर्व घाटे की भरपाई कहकर ही समेट लेती हैं। इसका बड़ा उदाहरण देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें गिरने के बावजूद इसका लाभ देश की जनता को नहीं मिल पाता है। इसकी कीमतों को लगभग दो साल से उसी स्तर पर स्थिर रखा गया है, क्योंकि पेट्रोलियम कंपनियों का यह कहना था कि अभी तो उन्हें पिछले घाटे की ही भरपाई नहीं हुई। इसके अलावा, यह भी देखा गया है कि देश के बाजार अपूर्ण भाव से ग्रस्त हैं। इसका अर्थ यह है कि अधिक लाभ कमाने के लिए वस्तुओं की बनावटी मंदी भी पैदा कर दी जाती है।

इस तरह की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर जीएसटी की दरें कम होने के बावजूद संबंधित वस्तुओं की बाजार कीमतें कम नहीं होती हैं, तो इसके लिए उद्योग संगठनों से बातचीत करनी होगी। हालांकि, पिछला अनुभव यही कहता है कि उद्योग संगठन अपनी नीति की परवाह अधिक करते हैं, चाहे वह कृत्रिम कमी का माहौल पैदा करके ही क्यों न हो। एक और संभावना को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और वह है विदेशी व्यापार में हमारी मुद्रा के विनिमय मूल्य का निरंतर कम होते जाना। हालांकि सरकार का कहना है कि ऐसा रुख डालर की कीमतों में ही नजर आएगा। मगर, हमारे निर्यात और आयात के आंकड़े बता रहे हैं कि हम अभी तक अपनी अर्थव्यवस्था का तेवर नहीं बदल सके। हमारी अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित नहीं है। अब जब अधिक निर्यात की बात हो रही थी, तो उस पर अमेरिकी शुल्क का प्रहार होता नजर आ रहा है। समस्या यह है कि जब हम अपने देश में अलग-अलग क्षेत्रों के उत्पादन और निवेश को बढ़ाने का प्रयास करते हैं, तो पता चलता है कि हम उसके कच्चे माल के लिए अभी भी अन्य देशों पर निर्भर हैं।

हमें इस बात का गर्व है कि हमने पिछले वर्षों में अपने दवा उद्योग को तरक्की दी है और दवाइयों के निर्यात को बढ़ाया है। मगर जब इनके लिए कच्चे माल की ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि इसका बहुभाग आयात करने के लिए हमें चीन जैसे देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। पिछले दिनों चीन के साथ संबंधों में कटुता के कारण चीनी सामान के बहिष्कार की बात होती रही, लेकिन जब हम आयात-निर्यात का पैमाना देखते हैं तो पाते हैं कि चीन से वस्तुओं का आयात भारत से सामान के निर्यात के मुकाबले कहीं अधिक है। अब हम जब रूस समेत चीन के साथ हाथ मिलाकर एक नई शुरूआत करने का प्रयास कर रहे हैं, तो क्या यह आवश्यक नहीं होगा कि पहले हम भारत को अपना कच्चे माल खुद तैयार करने में आत्मनिर्भर बनाएं। मगर यह आत्मनिर्भरता कब और कैसे होगी, इसी के आधार पर भारत के लिए नई परिस्थितियों का निर्माण संभव हो सकेगा।

हिन्दी दिवसः भाषा, संस्कृति और आत्मगौरव

हिन्दी दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का उत्सव है। महात्मा गांधी ने कहा था–'मातृभाषा में शिक्षा ही सच्चे अर्थों में मनुष्य की क्षमता को विकसित करती है।' यह विचार हमें बताता है कि जब समाज अपनी मातृभाषा से जुड़ा रहता है, तभी उसकी संस्कृति जीवंत और प्रखर बनी रहती है। भारत इस दृष्टि से समृद्ध है, जहाँ 22 संवैधानिक भाषाएँ, 121 प्रमुख भाषाएँ और लगभग 19500 बोलियाँ एक ही राष्ट्र की धारा में प्रवाहित होती हैं। यही विविधता हमारी राष्ट्रीय एकता को गहराई देती है और हमें वैश्विक पटल पर विशिष्ट बनाती है।

आज के समय में आवश्यक है कि मातृभाषा को केवल शिक्षा का साधन न मानकर जीवन का आधार समझा जाए। वैश्वीकरण और अंग्रेज़ी के आकर्षण ने नई पीढ़ी को अवसर दिए हैं, लेकिन यदि अपनी भाषा से दूरी बढ़ती रही तो संस्कृति का रंग फीका पड़ जाएगा। भाषा और संस्कृति का रिश्ता शरीर और आत्मा की तरह है–भाषा सुदृढ़ रहेगी तो संस्कृति भी समृद्ध बनी रहेगी।

हिन्दी की सहजता उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जैसा लिखा जाता है वैसा ही बोला जाता है। यही सरलता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाती है। शोध बताते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की स्मृति, पठन और गणितीय क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है। ओडिशा का 'नुआ अरुणिमा' कार्यक्रम इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ इक्कीस भाषाओं में शिक्षा देकर बच्चों को सहज और आनंदपूर्ण वातावरण मिला। संविधान का अनुच्छेद 350 (क) भी यही दायित्व राज्यों पर डालता है कि भाषाई अल्पसंख्यकों के बच्चों को प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दी जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी इस दिशा को और सशक्त किया है। यह सब बताता है कि मातृभाषा आत्मविश्वास, गुणवत्ता और समानता की आधारशिला है।

मातृभाषा का महत्व केवल कक्षा तक सीमित नहीं। दादी की कहानियाँ, माँ की लोरी, लोकगीत और त्योहार तब जीवंत होते हैं जब उन्हें अपनी भाषा में सुना और समझा जाए। यही भाषा पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु है और जीवन को आत्मीयता से भर देती है। इसे ही संस्कृति की जड़ों को सींचने वाली अमिट धारा कहा जाता है।

साहित्य मातृभाषा का सबसे उज्ज्वल रूप है। हिन्दी और भारतीय साहित्य की अनेक कृतियाँ समाज और राष्ट्र की चेतना को गढ़ती रही हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र की 'भारत दुर्दशा' राष्ट्रीय स्वाभिमान जगाती है, मैथिलीशरण गुप्त की 'साकेत' त्याग और आदर्श का संदेश देती है, महादेवी वर्मा की 'यामा' करुणा और संवेदनशीलता को प्रकट करती है, और सुभद्राकुमारी चौहान की कविताएँ आज भी राष्ट्रभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करती हैं। बच्चन की 'मधुशाला' जीवन के दर्शन को सहजता से सामने रखती है, तो दिनकर की 'रश्मिरथी' संघर्ष और वीरता की प्रेरणा देती है। ये कृतियाँ केवल शब्द नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और आत्मगौरव की धरोहर हैं।

आज की पीढ़ी तकनीक और तेज़ जीवनशैली में उलझी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल ने सुविधा तो दी है, लेकिन संवेदनशीलता और संस्कृति से जुड़ाव कहीं न कहीं कम हुआ है। ऐसे समय में मातृभाषा और साहित्य ही वह ज्योति हैं, जो आत्मा को ऊष्मा और जीवन को दिशा देती हैं। मातृभाषा आत्मविश्वास का बीज बोती है, साहित्य नैतिकता और राष्ट्रप्रेम का वृक्ष उगाता है, और कहानियाँ करुणा की धारा बहाती हैं। यही हमारी सुदृढ़ शरण है, जो हमें भविष्य की चुनौतियों में भी संतुलित रखती है।

हिन्दी दिवस का संदेश यही है कि मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान और आत्मगौरव की धड़कन है। यही वह स्रोत है जिससे सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ऊर्जा प्रवाहित होती है। आज आवश्यकता केवल स्मरण की नहीं, बल्कि संकल्प की है–कि मातृभाषा को शिक्षा, साहित्य और जीवन की धारा में उचित स्थान मिले। यदि हम इसे अगली पीढ़ियों तक संजोकर पहुँचाएँगे, तो हमारी संस्कृति न केवल जीवित रहेगी, बल्कि और भी संपन्न और पुष्पित होगी। मातृभाषा आत्मविश्वास की जड़ है और संस्कृति की सबसे मज़बूत नींव।

टेंशन बढ़ाती चौपहियाओं को खड़ी करने की समस्या

पिछले दिनों समाचार पत्रों में दो समाचारों की सुर्खियां प्रमुखता से देखी गई। पहला समाचार यह कि एक मोटे अनुमान के अनुसार नोएडा में साल भर में एक लाख से अधिक नए वाहन खरीदे जाते हैं तो दूसरा समाचार दिल्ली से जुड़ा है और इसमें यह कि दिल्ली में कहीं भी जाओं तो वाहन को पार्किंग के लिए खड़ा करने में औसतन 20 मिनट तो लग ही जाते हैं। दोनों समाचार ही देष में आर्थिक उन्नती को दर्शाने के साथ ही लोगों के जीवन स्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव को इंगित करते हैं। पर इसके साथ ही यह भी साफ हो जाता है कि हमारे शहर आज और आने वालों सालों के लिए अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं है। एक और वाहनों की मांग और खरीद बढ़ती जा रही है और इसमें भी बड़ा बदलाव यह देखा जा रहा है कि अब लक्जीरियस वाहनों की खरीद को अधिक प्राथमिकता दी जाने लगी है तो दूसरी और ऑफिस या किसी काम से घर से बाहर निकलने पर वाहन को पार्क करने की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। हालात यहां तक हो गए हैं कि वाहनों की पार्किंग को लेकर तू तू मैं मैं, झगड़ा और मारपीट तो आम होती जा रही हैं वहीं वाहन खड़ा करने को लेकर जानलेवा हमला और जान ले लेने तक के समाचार अखबारों की यदा कदा सुर्खियां बनते जा रहे हैं। रोडरेज की घटनाएं आम होती जा रही है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि यह समस्या कोई नोएडा या दिल्ली की ही नहीं हैं अपितु कमोबेस यह समस्या देश के किसी भी शहर में गंभीर रुप लेती देखी जा सकती हैं। दरअसल हमारे नगर नियोजकों व शहरी नियामक संस्थाओं ने पार्किंग की समस्या को गंभीरता से लिया ही नहीं है। गांवों को निगलकर शहरों का विस्तार होता जा रहा है तो गगनचुंबी इमारते बनती जा रही है। आबादी का घनत्व और दबाव बढ़ता जा रहा हैं। जिस अनुपात में यह बदलाव आ रहा है उस अनुपात में भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों की और ध्या नही नहीं दिया जा रहा है। आबादी के पास के एक समय के बड़े बड़े बंगले अब मल्टीस्टोरी बिल्डिंग और मॉल्स में तब्दील होते जा रहे हैं। जहां पहले एक बंगले से एक समय में एक या दो वाहनों का ही यातायात दबाव पड़ता था वहीं अब उसी स्थान पर बनें मल्टी स्टोरी में बहुत से फ्लेट्स होने के कारण बहुत से परिवार रहने के कारण औसतन डेढ़ गाड़ी का दबाव भी माना जाएं तो साफ हो जाता है कि रोड पर वाहनों का दबाव तो पड़ेगा ही। जहां तक मॉल्स का सवाल है अधिकतर माल्स में पार्किंग की सुविधा तो होती है पर अधिकांश पार्किंग तो माल्स में बिजनस प्रतिष्ठानों के मालिकों, कार्मिकों आदि से ही भर जाते हैं तो वहां आने वालों के लिए पार्किंग की समस्या बन ही जाती है। पार्किंग की समस्या को लेकर भी दो तरह की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। एक तो यह कि अब घरों कालोनियों में भी वाहन पार्किंग की समस्यां गंभीर होती जा रही है। इसका बड़ा कारण एक ही परिवार में एक से अधिक वाहनों और वह भी लक्जीरियस वाहन एमयूवी/एसयूवी का होना आम होता जा रहा है तो दूसरी और सार्वजनिक परिवहन साधनों की योजनाबद्ध उपलब्धता नहीं होना है। कहने को तो अब ओला-उबेर की बात की जाने लगी है या दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े शहरों में मेट्रो ट्रेन की बात की जा सकती है पर समस्या का समाधान यह इसलिए नहीं है कि नई कालोनियों के विकास के अनुसार इनकी सहज उपलब्धता का सवाल भी होता है।

भले ही यह बात थोड़ी अजीब अवश्य लगे पर अब शहरों में घरेलू या यों कहें कि निजी चौपहिया वाहनों की पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। यह सही है कि यह समस्या केवल और केवल हमारे महानगरों तक सीमित ना होकर दुनिया के अधिकांश देशों के सामने तेजी से विस्तारित होती जा रही है।

दुनिया के देश चौपहिया वाहनों की पार्किंग समस्या से दो चार हो रहे हैं और इस समस्या के समाधान के लिए अनेक विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। यहां तक की पार्किंग शुल्क से अच्छी खासा आय होने लगी है। अकेले भारत की ही बात करें तो देश में पांच करोड़ से अधिक कारें चलन में हैं और हर साल में इसमें इजाफा ही होता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दिल्ली में उपलब्ध कारों की पार्किंग के लिए ही चार हजार से अधिक फुटवाल के मैदानों जितनी जगह की आवश्यकता है। अगर दिल्ली की ही पार्किंग से आय की बात करें तो यह कोई 9800 करोड़ से अधिक की हो जाती है। देश के किसी भी कोने में किसी भी शहर की गलियों में निकल जाएं तो देखेंगे कि गलियों में घरों के बाहर सड़क की आधी जगह तो कारों के पार्किंग से ही सटी होती हैं। यानी कि एक ही घर में एक से अधिक कार/वाहन होना अब आम होता जा रहा है। किसी भी शहर में आफिस या बाजार खुलने बंद होने के समय तो जाम लग जाना आम होता जा रहा है। यह सब तो तब है जब आबादी की तुलना में कारों की संख्या कम है। आने वाले सालों में कारों की संख्या में इजाफा ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती।

दरअसल इस सबके अनेक कारणों में से उपनगर विकसित करने पर ध्यान नहीं देना, व्यस्ततम स्थानों पर ही बहुमंजिला इमारतें बनाने की छूट देना, शहरी सार्वजनिक यातायात तंत्र का विकसित नहीं होना, वाहनों की खरीद सहज होना और वाहनों की पार्किंग के लिए दूरगामी योजना का अभाव होना माना जा सकता है। दरअसल चौपहिया वाहनों की जिस तरह से सुगम ऋण सुविधा व पैसों के तेजी से बढ़ते प्रवाह के कारण सहज पहुंच हुई है उसका एक सकारात्मक परिणाम यह सामने आया हैं कि जिस तरह से अमीर गरीब सभी के लिए मोबाइल आम होता जा रहा हैं ठीक उसी तरह से चौपहिया वाहन आम होता जा रहा हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की माने तो 2050 तक दुनिया के देशों में केवल और केवल कारों की पार्किंग के लिए ही 80 हजार वर्ग किलोमीटर स्थान की आवश्यकता होगी। इसका मतलब यह कि छोटा मोटा देश आसानी से इस जगह में समा सके। शहरी विकास संस्थाओं और योजना नियंताओं को निजी कारों की पार्किंग को लेकर ठोस कार्ययोजना तैयार करनी ही होगी। मजे की बात यह है कि अब कार बाजार इलेक्ट्रिक कारों में शिफ्ट होता जा रहा है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशनों के लिए भी समय रहते जगह तलाशनी होगी। पेड पार्किंग स्थानों पर ऑटोमेटिक बहुमंजिला पार्किंग व्यवस्था हो तो और भी अधिक सुविधाजनक हो सकती है। बहु मंजिला इमारतों और माल्स में भी पार्किंग की अधिक सुविधा होना समय की मांग हो गई है। दरअसल इस सबके लिए समय रहते दूरगामी नीति बनानी होगी ताकि समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ नहीं जाएं। वास्तुकारों और नियोजकों के लिए यह अपने आप में चुनौती पूर्ण काम हो गया है। किराए की पार्किंग व्यवस्था सस्ती व सहज उपलब्धता वाली भी होनी चाहिए। शहरी निकाय संस्थाओं को इस और गंभीरता से प्रयास करने होंगे वहीं कोलोनाइजरों को भी इस दिशा में पहले से ही रोडमेप बनाकर चलना होगा नहीं तो आने वाले समय में यह एक और नई समस्या दस्तक देने वाली है। सरकार के सामने दोहरी चुनौती है एक और तो ऑटोमोबाईल उद्योग को बढ़ावा देना है तो दूसरी और पार्किंग की समस्या का कोई ना कोई योजनाबद्ध सहज हल खोजना होगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला स्वास्थ्य समिति, शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक

संस्थागत प्रसव को सभी एमओआईसी, आशा व एएनएम को प्रेरित कर बढ़ाये-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेड्ट सभागार में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान गोपीगंज के उपकेन्द्र बैरीपरवा सीएचओ मीनाक्षी देवी द्वारा फर्जी उपस्थिति ए0एम0एस0 पर दर्ज की जा रही थी जिस पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी व जिला विकास अधिकारी को कमेटी गठन करने के साथ जॉच कर रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही जनपद में तैनात सभी चिकित्सकों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिया। जिला चिकित्सालय महराजा चेतसिंह के सीएमएस द्वारा स्टॉप नर्स की मॉग की गयी। जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि तत्काल स्टॉप नर्स की संबद्धता कराये।

स्वास्थ्य विभाग के हर कार्यक्रम की कंपोजिट रिपोर्ट अगले बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी एमओआईसी आशा व एएनएम की हफ्ते में बैठक कर सघन समीक्षा करने का निर्देश दिया। यूनिसेफ, यूएनडीपी की तरह समस्त एमओआईसी अपने ब्लॉकों में जाकर स्थलीय विजिट कर अवलोकन करें। मातृत्व दर का सही डेटा प्रस्तुत किया जाए। सीएचसी, पीएचसी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल देते हुए खराब स्थिति को ठीक करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ विभाग की लापरवाहियों पर नाराजगी जताते हुए कड़ा निर्देश दिया कि सभी डॉक्टर जनपद में निवास करें, अन्यथा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवृत्ति अगले दिन तक अवश्य उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक ने स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं व क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्वालिटी एश्योरेस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में लैब स्लैब एवं बेसिंग उपलब्धता पर बल दिया। स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों के उपस्थिति की चेकिंग एवं कार्य के प्रति उनकी दक्षता का सतत् मूल्यांकन हो। एंटी स्नेक वैक्सीन की सभी पीएचसी, सीएससी पर उपलब्धता सुनिश्चित हो। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में व्यक्तिगत व टीम बेस्ड इंटेंसिव बढ़ाने व सुधार करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। सभी पीएचसी , सीएचसी पर ड्यूटीरूम सहित सभी जगह साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो। उन्होंने बायोमेडिकल बेस्टेज को सही तरीके से निस्तारित किये जाने पर जोर दिया। साथ ही आरबीएसके के कार्य संचालन हेतु कार्यरत मोबाइल हेल्थ टीमों को स्कूलों में जॉच हेतु जाने के लिए वाहनों की उपलब्ध को सुनिश्चित करने पर बल दिया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ाये, इस सन्दर्भ में आशा व एएनएम को प्रेरित करें। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता/दृष्टि दोष की जॉच हेतु जिलाधिकारी ने कैम्प लगाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया। ई-कवच समरी रिपोर्ट के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को आभा आईडी जनरेट करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत सभी कम्युनिटी आफिसर को निर्देशित किया कि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की प्रभावी क्रियाशीलता हेतु अटेन्डेंस के माध्यम से नियमित करें, लापरवाही न बरते। सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर बिजली, पानी, दवा की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। जहॉ कुछ कमी है, वहॉ के चिकित्सा अधीक्षक, डीपीआरओ व सीडीओ से समन्वय स्थापित कर पूर्ण कराये। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि सभी अपने उत्तरदायित्वों व कार्यो का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, समस्त जिला अस्पतालो के सीएमएस, समस्त एसीएमओ, डीपीआरओ संजय मिश्र, बीएसए विकास चौधरी, स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण, समस्त एमओआईसी आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड व्यक्तिगत श्रेणी हेतु युवाओं से प्रस्ताव 15 अक्टूबर तक आमंत्रित

युवा करें आवेदन, मिलेगा राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। प्रदेश सरकार द्वारा विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी व्यक्तिगत श्रेणी के अन्तर्गत राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड' से सामाजिक कार्यों में रूचि रखने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया जाना है।

इस एवार्ड हेतु शासन के निर्देश के क्रम में उल्लिखित राष्ट्रीय विकास एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र यथा खेलकूद सामाजिक वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना एवं संचालन, जैविक खेती सौर उर्जा संयंत्र स्थापना, स्वच्छता कार्यकम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबन्धन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य अनुसंधान, कला, संस्कृति और साहित्य, मानव अधिकारों को बढ़ावा देना, पर्यटन, पारम्परिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल और शैक्षिक उत्कृष्टता एवं स्मार्ट लर्निंग इत्यादि क्षेत्रों में विगत 03 वर्षों (01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2025 तक) में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं के प्रस्ताव जिलाधिकारी भदोही की अनुशंसा के साथ महानिदेशालय, लखनऊ को उपलब्ध कराया जाना है। निर्धारित अवधि में उपरोक्तानुसार उल्लिखित क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले युवाओं द्वारा निर्धारित प्रस्ताव प्रारूप पर सम्बन्धित साक्ष्यों सहित मूल रूप में आवेदन 03 प्रतियों में (बुकलेट फॉर्मेट में) 15 अक्टूबर 2025 तक जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, भदोही में अनिवार्य रूप से जमा किया जाएगा।

उक्त वर्णित एवार्ड के लिए आवेदन हेतु पात्रता की शर्ते-सम्बन्धित युवा को उत्तर प्रदेश का नागरिक होना अनिवार्य है। वह 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच होना चाहिए, जिसका निर्धारण वर्ष के 01 जनवरी को नामांकन के समय के अनुसार होगा। आवेदक के द्वारा विगत 03 वित्तीय वर्षों में उपर्युक्त क्षेत्रों में पहचान योग्य कार्य किया गया हो। पुरस्कार जीवनकाल में एक बार प्रदान किया जाएगा। किसी सरकारी सेवा में अर्थात् केन्द्र / राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमो, विश्वविद्यालयों, स्कूल / कॉलेज आदि में कार्यरत् व्यक्ति पुरस्कार हेतु पात्र नही है।

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के संबंध में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के संबंध में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण आधिकारियों का प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। उप जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण एवं डिप्टी कलेक्टर शिव प्रकाश यादव द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में अवगत कराया गया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 13 ग के अनुसार ए ई आर ओ की तैनाती की जाती है। तैनात सभी ए ई आर ओ को उनके आवंटित विधानसभा में बूथ आवंटित किये गये हैं। कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 18 वर्ष हो गयी है वह व्यक्ति मतदाता सूची में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिये अधिकारी हो जाता है। मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने हेतु फार्म 06 का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार यदि कोई मतदाता मतदाता अपने नाम / पते की प्रविष्टि में संशोधन करना चाहता है तो वह फार्म 8 भरेगा। इसी प्रकार यदि कोई मतदाता किसी अन्य जगह की मतदाता सूची में पंजीकृत है और अपना नाम स्थानान्तरित कराके कहीं और रजिस्टर्ड होना चाहता है तो फार्म 08 का ही प्रयोग करेगा। यदि किसी मतदाता की मृत्यु होती है अथवा उसका नाम डुप्लीकेट है तो उसका नाम हटाने के लिये फॉर्म 07 का प्रयोग किया जायेगा।

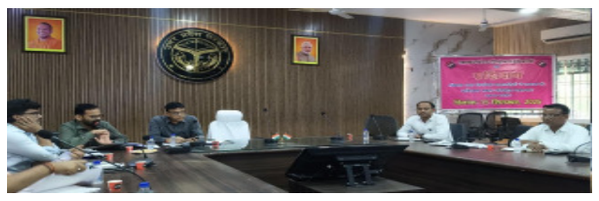

मतदाता सूची में नाम जोड़ने संशोधन एवं अपमार्जित करने के कार्यो पर निगरानी हेतु समस्त बूथों पर राजनीतिक दल अपने दल की तरफ से बी एल ए की तैनाती कर सकते हैं। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त राजनैतिक दलों को बीएल ए की तैनाती के लिये अनुरोध किया गया है। प्रशिक्षण में उप जिलाधिकारी औराई बरखा सिंह , समस्त तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मातृ नवमी पर सीडीओ ने किया गौशाला व विद्यालय का निरीक्षण, गायों का पूजन

भदोही। मातृ नवमी के अवसर पर सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बाल कृष्ण शुक्ला ने ब्लॉक अभोली के मसुधी गांव का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्थाई गौशाला, प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया।

निरीक्षण के समय विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्था देखकर सीडीओ ने ग्राम प्रधान व जिम्मेदारों की सराहना की। आंगनबाड़ी केंद्र पर 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को खीर और आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

मौके पर सीडीओ गौशाला भी पहुंचे, जहां मातृ नवमी की परंपरा के तहत उन्होंने गायों को गुड़, चना, केला और हरा चारा खिलाकर पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कहा कि मातृ नवमी पर पितरों का तर्पण और गौ पूजन की परंपरा है। गायों की सेवा करना पूर्वजों की स्मृति और आशीर्वाद प्राप्त करने का माध्यम है।

सीडीओ ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं में सुधार दिख रहा है। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से विद्यालय और गौशाला की देखभाल लगातार करने की अपील भी की। इस अवसर पर बीडीओ अभोली अनिल राय, पशु चिकित्सक डॉ. राजेश, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विंध्यवासिनी पांडे और प्रधानाचार्य राजेश शुक्ला मौजूद रहे।

जनपद के थानों पर नियुक्त बीट आरक्षी द्वारा किया गया महिलाओं को जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आर.पी.सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के आदेश के क्रम में एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन एवं शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों पर नियुक्त महिला बीट आरक्षी/ मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा ग्रामों, प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर चौपाल का आयोजन कर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वुमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

गरजे शिक्षक, प्रधानमंत्री को संबोधित जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सोमवार अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर , जनपद की भदोही शाखा के जिलाध्यक्ष धीरज सिंह के नेतृत्व में शिक्षक आज जनपद मुख्यालय पर इकट्ठा हुए और 1सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में , प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी भदोही को सौंपा।ध्यातव्य है कि, एन सी टी ई द्वारा 2017 में चुपके से एक संशोधन करके पूरे देश के शिक्षकों के लिए , जो टी ई टी लागू होने के पहले ही नियुक्त हुए हैं, सबको टी ई टी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया।इसके लिए न्यायालय से 2 वर्षों का समय मिला है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि, प्रदेश में27जुलाई 2011 से टी ई टी लागू हुआ है, तो इसके पूर्व के शिक्षकों के लिए टी ई टी लागू करना संविधान सम्मत नहीं है, क्योंकि न्यायालय पहले ही कह चुका है, कि कोई भी आदेश भूत लक्षी नहीं होता।इस मामले में संगठनों ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की है।इसका वैधानिक पहलू भी कम दिलचस्प नहीं है, क्योंकि पहले अध्यापक बनने की योग्यता इंटरमीडिएट और बी टी सी थी, ऐसे अध्यापक टी ई टी का फॉर्म ही नहीं भर पाएंगे, क्योंकि इसके लिए योग्यता स्नातक और प्रशिक्षण है। बी एड वाले और बी पी एड योग्यताधारी शिक्षक भी टी ई टी की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि अब इनको भी प्राथमिक अध्यापक भर्ती में शामिल करने पर रोक लगी है।इन विषम परिस्थितियों में ऐसे अध्यापक जिनकी सेवा केवल 10, से 12 वर्ष बची हो वो कैसे परीक्षा देंगे ये बड़ी चुनौती है।इसको लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नेपूरे देश में आज सभी जिलाधिकारियों के माध्यम से हस्तक्षेप की अपील की है।आज के कार्यक्रम में जिला महामंत्री क्रांतिमान शुक्ला, संगठनमंत्री रितेश तिवारी, देवेंद्र विश्वास, रत्नाकर राय, राजीव रतन यादव, देवेन्द्र कुमार मिश्र, जिला मीडिया , प्रभारी प्रतीक मालवीय, राजकुमार दुबे, मनीष पाण्डेय, शिवपूजन गिरी शिल्पी अग्रवाल, ज्योति कुमारी , आनंद सिंह, अरूण कुमार यति, बृजेश सरोज, दिलीप पटेल , विजय सिंह, संजय उपाध्याय, अनिल मौर्य, दिनेश यादव, सुनील दुबे, शंभूनाथ उपाध्याय, राजधर यादव सहित हजारों शिक्षक उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विंध्याचल मंडल के महामंत्री और राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक संतोष सिंह की विशेष उपस्थिति रही।

गला दबाकर हत्या के आरोपी किया गया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। आरोपी द्वारा अपने पिता की गला दबाकर की गई हत्या, पैतृक संपत्ति विक्रय/बंटवारे को लेकर आरोपी ने दिया हत्या की घटना को अंजाम, स्थानीय पुलिस द्वारा सगे भाई की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत करते हुए हत्या के अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार 14.09.25 को समय 20.54 बजें आवेदक सूरज दुबे पुत्र स्व0 जयशंकर दुबे (जिनकी हत्या हुई है) निवासी गोपालपुर ऊपरवार थाना गोपीगंज जनपद भदोही द्वारा थाना गोपीगंज पर सूचना दिया गया कि 06.09.2025 को रात्रि करीब 10 बजें खाना खाकर आवेदक अपने पिता जयशंकर दुबे के साथ कमरे में सो रहे थें। आवेदक के बड़े भाई कृष्ण कुमार दुबे उर्फ दिलीप भी कमरे में आ गए और पिताजी के साथ सो गए थोड़ी देर बाद आवेदक के बड़े भाई कृष्ण कुमार दुबे पिताजी के सीने पर चढ़कर उनका गला दबा दिए। जिससे आवेदक के पिताजी की मृत्यु हो गई। आवेदक की तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 417/25 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में अपने पिता की गला दबाकर हत्या कर देने की घटना में शामिल अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मय हमराह अभियुक्त कृष्ण कुमार दूबे उर्फ दिलीप पुत्र जयशंकर दूबे निवासी गोपालपुर उपरवार थाना गोपीगंज जनपद भदोही को बाला कौलापुर रेलवे क्रासिंग के 50 मीटर दक्षिण तरफ सेमराध रोड से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान संबंधित मा0 न्यायालय किया गया।

कल से 2 अक्टूबर, 2025 तक 'सेवा पर्व' के अंतर्गत आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

सूचना विभाग द्वारा जीआईसी मैदान पर लगी विकसित भारत-उत्तर प्रदेश 2047 प्रदर्शनी में दिखेगी विकास यात्रा की झलक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में 17 सितंबर को मा.प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन, 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती व 02 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी के पावन जयंती पर 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन किया जायेगा। 'सेवा पखवाड़ा' के कार्यक्रम की शुरुआत मा0 प्रधानमंत्री जी के संबोधन प्रसारण के साथ ही रक्तदान शिविर से की जाएगी।

सेवा पखवाड़ा-2025 पूरे देश में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक 'विकसित भारत' की व्यापक थीम के साथ मनाया जायेगा। यह थीम भारत को वर्ष 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में रूपान्तरित करने की परिकल्पना करती है, जो बहुआयामी प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सांस्कृतिक समृद्धि, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, खेल, आधारभूत संरचना, ग्रामीण विकास, कृषि, डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और उद्यमिता में तेज प्रगति को प्रमुखता दी गयी है। इसी के साथ यह महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण तथा वैश्विक नेतृत्व एवं कूटनीति में भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है, जबकि सेवा, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करता है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अंतर्गत 'स्वास्थ्य नारी, सशक्त परिवार' अभियान के अंतर्गत 17 से 2 अक्टूबर तक तीनों जिला चिकित्सालय सहित सभी सीएचसी, पीएचसी, स्वस्थ उपकेंद्र , आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर तिथिवार निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 सितंबर को समस्त जिला चिकित्सालय/सामु0/प्रा0/न0 प्रा0 स्वा0 केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर मा0 प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का लाईव प्रसारण किया जाएगा। मा0 प्रधानमंत्री जी विजन सुपोषण भारत/ कुपोषण मुक्त भारत पर आधारित आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 17 सितम्बर से मनाया जायेगा। जिसमें मोटापा निवारण चीनी व तेल के उपभोग में कमी, पोषण भी पढ़ाई भी, एक पेड़ मॉ के नाम, शिशु एवं बाल आधारित कथाएं, पुरूष सहभागिता आदि थीम पर जनसंवेदीकरण गतिविधियॉ आदि आयोजित की जायेगी।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सभी स्वास्थ्य कैंपों पर निम्नलिखित स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाएगी ।आँखों की जांच, रक्तचाप मधुमेह और दंत की जांच, मुख कैंसर/ स्तन कैंसर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की गहन जांच , गर्भवती महिलाओं के लिए, प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण सेवायें, टेलीमानस की सुविधा, टीबी जांच, ब्लड की जांच, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, विशेष परामर्श। निरोगी काया सेन्टर (स्टॉल) पर एच0बी0 की जांच, बी0पी0 की जांच, शुगर की जांच, हाईट/वेट की जांच, योगा सम्बन्धित जानकारी दी जाएगी।

18 सितंबर को सामु0 स्वा0केन्द्र, औराई पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं आशा कलस्टर मीटिंग 19 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर आशाओं एवं जनता के साथ संवाद 20 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, भदोही पर विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण तथा सामु0स्वा0केन्द्र, पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन।

21 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0केन्द्रों/नगरीय प्रा0 स्वा0केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 22 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, डीघ में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा।23 सितंबर समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर ए0एन0एम0 / सी0एच0ओ0 योजनाओं को जागरूक करना द्वारा समस्त 24 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, गोपीगंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 25 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा।26 सितंबर सामु0 स्वा0 केन्द्र, सुरियवां में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प एवं सभी एम0सी0एच0 स्वास्थ्य प्रदान करना 27 सितंबर 183 वी0एच0एन0डी0 सत्रों पर टीकाकरण का आयोजन 28 सितंबर समस्त प्रा0स्वा0 केन्द्रों/नगरीय प्रा0स्वा0 केन्द्रों पर मा0 मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन 29 सितंबर जनपद के 06 सामु0स्वा0 केन्द्रों पर आशा कलस्टर की मीटिंग एवं सभी स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा। 30 सितंबर सामु0स्वा0केन्द्र, दुर्गागंज में विशेषज्ञ चिकित्साधिकारियों का स्वास्थ्य कैम्प, ब्लाक पर सभी कार्यकमों की समीक्षा बैठक के साथ-साथ जन जागरूकता का किया जायेगा। 01 अक्टूबर 03 जिला चिकित्सालय 06 सामु0स्वा0केन्द्र एवं 20 प्रा0/न0प्रा0 स्वा0 केन्द्रों पर ब्लड ग्रुपिंग का का कार्य। 02 अक्टूबर महाराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय ज्ञानपुर में बृहद रक्तदान शिविर एवं कुष्ठ आश्रम पीपरीस में दिव्यांग/कुष्ठ रोगियों को फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस विशेष पखवाड़ा में सूचना एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत जनपद में उत्साह एवं व्यापक जन सहभागिता के साथ चित्रकला प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी। इसका मुख्य उद्देश्य कलाकारों, कला विधार्थियों एवं कला प्रेमियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि वे कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विकसित, आत्मनिर्भर एवं डिजिटल भारत की परिकल्पना और माननीय प्रधानमंत्री जी तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व को प्रदर्शित कर सकें। सेवा पखवाड़ा-2025 के अन्तर्गत मुख्य रूप से जनपद स्तर पर आयोजित की जाने वाली चित्रकला प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियो द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जायेगा।

सेवा पखवाड़ा-2025 का शुभारम्भ दिनांक 17 सितम्बर, 2025 को किया जायेगा। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के द्वारा विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत एवं डिजिटल भारत की संकल्पना पर आधारित प्रदर्शनी जीआईसी मैदान ज्ञानपुर में लगायी जायेगी। जनपद स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिताये तीन वर्गो क्रमशः जूनियर वर्ग (कक्षा 9 से 12) एवं सीनियर वर्ग (स्नातक एवं परास्नातक) एवं सामान्य वर्ग में आयोजित की जायेगी। सामान्य वर्ग की प्रतियोगिता में किसी भी आयु वर्ग का चित्रकार/ कलाप्रेमी प्रतिभाग कर सकता है। तीनों वर्ग की प्रतियोगिताओं हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक नोडल अधिकारी होगें। सीनियर वर्ग हेतु जनपद स्थित राजकीय महाविद्यालय का नामित प्राध्यापक सह-नोडल अधिकारी होगा।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिताएं अनिवार्य रूप से दिनांक 17 से 30 सितम्बर, 2025 के मध्य करा ली जायें। जूनियर वर्ग एवं सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में अनिवार्य रूप से जनपद में संचालित सम्बन्धित वर्ग के समस्त शिक्षण संस्थानों की प्रतिभागिता सुनिश्चित की जाये। प्रतियोगिताओं में सृजित पेंटिग्स में से प्रत्येक वर्ग की उत्कृष्ट तीन पेंटिग्स (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु) का चयन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा गठित चयन समिति के द्वारा किया जायेगा। दिनांक 02 अक्टूबर, 2025 को जनपद स्तर पर आयोजित गांधी जयन्ती कार्यक्रम में प्रत्येक वर्ग की प्रतियोगिताओ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। तीनो वर्गो में पृथक-पृथक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार स्वरूप क्रमशः रूपया 51, 000/-, रूपया 21, 000/-एवं रूपया 11, 000/- की पुरस्कार राशि के साथ-साथ फ्रेम किये गये प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जायेंगे। प्रत्येक वर्ग की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार हेतु चयनित कलाकृतियां राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ को मूलरूप में 15 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध करायी जायेंगी। कलाकृतियों के पृष्ठ भाग में चित्रकार का नाम, सम्पर्क का पता, प्रतियोगिता वर्ग एवं प्राप्त पुरस्कार का स्पष्ट अंकन किया जायेगा।

भाजपा नेता की गला रेत कर हत्या; बिस्तर पर लहूलुहान अवस्था में पड़ा मिला शव

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में बुलंदशहर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर खुर्जा क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख तथा वरिष्ठ भाजपा नेता की गला रेतकर हत्या कर दी। उनका खून से लथपथ शव सोमवार सुबह उनके घर पर मिला। जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद जांच शुरू कर दी।

इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि खुर्जा नगर थाना स्थित ग्राम ज़ाहिरपुर निवासी विनोद चौधरी अपनी दुकान के पीछे बने मकान में अकेले सो रहे थे। मृतक की पत्नी दिल्ली में अपने बच्चों के पास रह रही थीं। प्रातः नौ बजे तक घर से बाहर नहीं निकलने पर पड़ोसियों ने कमरे में जाकर देखा, जहां बिस्तर पर विनोद का शव लहूलुहान अवस्था में पड़ा मिला। पुलिस अधीक्षक देहात तथा फोरेंसिक जांच दल ने मौका मुआयना किया।

एसपी का कहना है कि हत्या के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है, मगर घटना स्थल से महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं जिनके आधार पर पुलिस हमलावरों की सुरागकशी कर रही है। मृतक विनोद चौधरी 2000 से 2005 तक जेवर ब्लाक प्रमुख रहे थे। इसके बाद पह बुलंदशहर जिला परिषद के सदस्य रहे। वह पिछले पंचवर्षीय योजना में खुर्जा ब्लाक प्रमुख के पद पर आसीन रहे हैं।

वक्फ संशोधन कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने किया स्वागत

कहा- फाइनल जजमेंट में मुसलमानों को पूर्ण राहत होगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोडर् की कार्यकारी समिति के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम पक्ष की कुछ दलीलों को स्वीकार करने के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुये कहा कि उन्हे उम्मीद है कि इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानो को पूर्ण राहत हासिल होगी।

मौलाना ने सोमवार को वक्फ संशोधन अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा ' आज के जजमेंट में उच्चतम न्यायालय ने हमारी कुछ दलीलें स्वीकार कर उन प्रावधानो पर रोक लगायी है। हमे उम्मीद थी कि पूरे एक्ट पर स्टे दिया जायेगा मगर ऐसा नहीं हुआ है लेकिन कुछ अहम बातों पर स्टे दिया गया है जिसका हम स्वागत करते हैं। अभी पूरा फैसला आना बाकी है। हम उम्मीद करते हैं कि हमे रिलीफ हासिल होगी।'

गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की बेंच ने स्पष्ट किया कि वक्फ संपत्तियों को लेकर कलेक्टर का नर्णिय अंतिम नहीं होगा। इसके साथ ही, वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की उस प्रावधान पर रोक लगा दी गई है, जिसमें वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति का पांच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना

अनिवार्य बताया गया था। फरंगी महली ने कहा ' फैसले में कुछ बातें हमारे अनुसार नहीं हैं, लेकिन कई निर्णय हमारी उम्मीदों के अनुरूप हैं। हमें विश्वास है कि अंतिम निर्णय में भी हमारी दलीलों को गंभीरतापूर्वक सुना जाएगा।'

उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इंकार कर दिया लेकिन कहा कि अंतिम निर्णय आने तक इसके कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया।

पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति समर्पित करने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को वक्फ के रूप में संपत्ति समर्पित करने से पहले पांच वर्षों तक मुस्लिम होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि धारा 3(आर), इस अनिवार्यता पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि राज्य (सरकार) द्वारा यह जांचने के लिए नियम नहीं बनाए जाते कि व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे किसी नियम/तंत्र के बिना, यह प्रावधान मनमाने ढंग से सत्ता का प्रयोग करेगा।

खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने दिखाई सख्ती

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों को नहीं मिलेगा राशन! कार्ड होगा रद्द

लखनऊ **(एजेंसी)**। करोड़ों गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए जीवन रेखा की तरह काम करने वाले राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने राशन कार्ड की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और फर्जी कार्ड को जांच के बाद निरस्त करने का फैसला लिया है। इसे लेकर खाद्य सुरक्षा मंत्रालय ने हाल ही में नई गाइडलाइन जारी की हैं, जिन्हें दिसंबर 2025 तक पूरे देश में लागू कर दिया जाएगा। इनका सीधा असर करोड़ों गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ेगा।

अब कार्डधारकों को सिर्फ गेहूं और चावल ही नहीं, बल्कि नमक, बाजरा और खाना पकाने का तेल जैसी वस्तुएं भी मिलेंगी। कई राज्यों में ये मुफ्त होंगी, जबकि कुछ जगह रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जुड़े परिवारों को गैस सिलेंडर पर भी छूट या मुफ्त सुविधा मिल सकती है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पहले प्रति व्यक्ति 5-5 किलो गेहूं और चावल मिलता था, अब इसे बढ़ाकर 7-7 किलो करने की योजना है। इससे बड़े परिवारों को राहत मिलेगी और पोषण स्तर में सुधार होगा।

राशन कार्ड से जुड़े सभी लाभ पाने के लिए अब ई-केवाईसी कराना जरूरी होगा। इसमें आधार और जरूरी दस्तावेजों की डिजिटल सत्यापन प्रक्रिया शामिल है। समय पर यह प्रक्रिया पूरी न करने वालों का नाम सूची से हटा दिया जाएगा।

सरकार ने साफ कर दिया है कि शादीशुदा बेटियों, दिवंगत सदस्यों या अन्यत्र बसे लोगों के नाम राशन कार्ड से हटाए जाएंगे। इसका मकसद केवल वास्तविक लाभार्थियों तक सुविधा पहुंचाना है।

खाद्य सामग्री के साथ-साथ पात्र परिवारों को हर महीने ?1000 की सीधी वित्तीय सहायता बैंक खाते में भेजी जाएगी। त्योहारों पर यह राशि ?2000 तक भी की जा सकती है। सरकार का दावा है कि इन बदलावों से वितरण प्रणाली ज्यादा पारदर्शी होगी और केवल जरूरतमंद लोगों को ही पूरा लाभ मिलेगा।

वक्फ संशोधन बिल 2025 को सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी ने फैसले का किया स्वागत

कहा- अब कब्ज़ा मुक्त होगी वक्फ की जमीन

लखनऊ **(एजेंसी)**। वक्फ संशोधन बिल 2025 पर सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले का ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला मुसलमानों के लिए ऐतिहासिक है और अब वक्फ की जमीनों पर से भू माफिया का कब्जा हटेगा।

मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट से इसी तरह के फैसले की उम्मीद थी। यह फैसला गरीब, कमजोर और लाचार मुसलमानों की आवाज बनकर आया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड पर वर्षों से चले आ रहे घोटालों और नाजायज कब्जों का हिसाब अब होना जरूरी है। मौलाना ने बताया कि वक्फ की जमीनें अब मुक्त होकर समाजहित में इस्तेमाल होंगी। इन पर यतीमखाने, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, मस्जिद और मदरसे बनाए जाएंगे। साथ ही, जो आमदनी इन जमीनों से होगी, वह गरीब और कमजोर मुसलमानों की बेहतरी पर खर्च की जाएगी।

शहाबुद्दीन ने भारत सरकार से अपील की कि वह इस कानून को जल्द से जल्द लागू करे, ताकि यतीम, बेवा और कमजोर मुसलमानों की सही मायने में किफालत हो सके। उन्होंने कहा कि अब रास्ते साफ हो गए हैं और इस फैसले से मुसलमान अपने पैरों पर खड़े होकर खुद कफील बन सकेंगे।

संजय निषाद की गाड़ी का बलिया में हुआ एक्सीडेंट, भीषण हादसे में बाल-बाल बचे मंत्री

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार के मत्स्य मंत्री संजय निषाद के साथ एक बड़ी दुर्घटना घटित हो गई है। सोमवार 15 सितंबर को बलिया से रसड़ा आते समय उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। हालाँकि संजय निषाद के साथ सड़क दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है। अक्टूबर 2024 में भी उनके काफिले का एक्सीडेंट हुआ था। बलिया के संवरा माधोपुर के बीच लखनऊ हाइवे पर संजय निषाद की गाड़ी का जानवर बचाने के चक्कर में यह एक्सीडेंट हुआ।

15 सितंबर सोमवार को दोपहर में निषाद पार्टी के संस्थापक संजय निषाद रसड़ा से बलिया आ रहे थे। इस दौरान संवरा माधोपुर के बीच लखनऊ हाइवे पर उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। सड़क पर वाहन के सामने जानवर के आ जाने से उनकी गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराने के कारण गाड़ी का बोनट क्षतिग्रस्त हो गया है। हालाँकि राहत की बात यह है कि इस दुर्घटना में संजय निषाद बाल-बाल बच गए हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

वैसे संजय निषाद के साथ सड़क दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी अक्टूबर 2024 में रायबरेली-प्रतापगढ़ सीमा के पास एक एसकोर्ट वाहन से टकराने के कारण उनके काफिले का एक्सीडेंट हुआ था। इस दुर्घटना में संजय निषाद के पैर में भी चोट आई थी। ऐसे में सोचनीय बात यह है कि जब प्रदेश के मंत्री ही सड़क पर चलते वक्त दुर्घटनाओं की चपेट में आ जा रहे हैं। तो आम जनमानस की सुरक्षा की निश्चितता कहा से तय हो।

भारी बारिश के कारण मालगाड़ी रुकी, मध्य रेलवे की उपनगरीय ट्रेन सेवाएं प्रभावित

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मध्य रेलवे मार्ग पर एक मालगाड़ी के पटरी पर फंस जाने के कारण, पहले से ही देरी से चल रहीं लोकल ट्रेन सेवाएं और ज्यादा प्रभावित हो गईं। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिले में भारी बारिश के कारण पहले से ही ट्रेन सेवाएं प्रभावित हैं। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि अपराह्न करीब 12.55 बजे पहिया फिसलने के कारण बादलपुर और अंबरनाथ रेलवे स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी रुक गई।

प्रवक्ता ने कहा, ''बारिश और पहिया फिसलने के कारण ट्रेन सीएसएमटी जाने वाले ट्रैक पर रुक गई है। एक सहायक इंजन भेजा गया है और उसे आगे बढ़ाया जा रहा है।'' दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) जाने वाली लोकल ट्रेनों में यात्री फंस गए जिसके कारण रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ गई। दादर, बायकुला, मस्जिद, कुर्ला, सायन और अन्य रेलवे स्टेशनों के पास निचले इलाकों में भारी बारिश के परिणामस्वरूप पटरियों पर और पानी जमा होने के कारण सुबह से ही स्थानीय ट्रेनें, विशेष रूप से मुख्य लाइन (सीएसएमटी से कसारा) पर देरी से चल रही थीं।

तेजस्वी की अनदेखी पर चिराग का तंज राहुल के लिए सब किया, मिला सिर्फ ज़ख्म?

पटना **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा में तमाम कोशिशों के बाद भी, कांग्रेस नेता ने उनके नेतृत्व को उचित सम्मान नहीं दिया। पासवान ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अनदेखा किए जाने के बाद तेजस्वी यादव का दुखी होना स्वाभाविक है। तेजस्वी यादव की हालिया टिप्पणी 'तेजस्वी सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे' के बारे में पूछे जाने पर, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बिहार के विपक्षी नेता ने राहुल गांधी की यात्रा के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। वह राहुल गांधी की गाड़ी भी चला रहे थे। वह जहाँ भी जा रहे थे, वह उनके पीछे-पीछे चल रहे थे।

चिराग पासवान ने आगे कहा कि इतना सब कुछ करने के बाद भी, कांग्रेस ने उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया। उन्हें उचित सम्मान नहीं दिया गया। इसलिए उनका ऐसा महसूस करना स्वाभाविक है। राजद नेता की यह टिप्पणी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए महागठबंधन के दलों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत से पहले आई है। इस बीच, एशिया कप के एक मैच के दौरान भारतीय क्रिकेटरों द्वारा पाकिस्तानी क्रिकेटरों से हाथ मिलाने से इनकार करने पर, पासवान ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने सही काम किया और इस तरह उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि अगर आप किसी से हाथ मिला रहे हैं और वही लोग आपके परिवार पर हमला कर रहे हैं और उन्हें मार रहे हैं, तो ऐसी तस्वीरें निश्चित रूप से उनकी भावनाओं को ठेस पहुँचा सकती हैं। खेल खेला जाना चाहिए था और हमारे खिलाड़ियों ने भी इसका उतना ही सम्मान किया और उसी भावना से खेल खेला। जीत हासिल करके, हमारे खिलाड़ियों ने निश्चित रूप से उन पीड़ितों का सच्चा सम्मान किया। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने साथी शिवम दुबे के साथ पाकिस्तानी टीम का पारंपरिक अभिवादन किए बिना सीधे ड्रेसिंग रूम लौट गए। सूर्यकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीवन में कुछ चीजें खेल भावना से आगे होती हैं।'

वाल्मीकि विकास निगम घोटाले में कर्नाटक के पूर्व मंत्री के परिसरों पर सीबीआई की छापेमारी

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। सीबीआई ने वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम 'घोटाले' के सिलसिले में सोमवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के परिसरों के साथ ही राज्य तथा आंध्र प्रदेश में 15 अन्य स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस मामले में आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि के गबन के गंभीर आरोप शामिल हैं। वर्ष 2006 में स्थापित, कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति (एसटी) विकास निगम की स्थापना राज्य में एसटी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से विकासात्मक योजनाओं को लागू करने के लिए की गई थी।

उन्होंने बताया कि यह मामला जून 2024 में मंत्री के खिलाफ बैंक ऋण धोखाधड़ी के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन जांच के दौरान सीबीआई ने कुछ रिकॉर्ड एकत्र किए, जिनसे पता चला कि कथित तौर पर मंत्री की बहन और अन्य रिश्तेदार के खातों में धनराशि स्थानांतरित की गई थी।

सीबीआई, जो अनियमितताओं की एक सीमा तक ही जांच कर रही थी, को जुलाई में कर्नाटक उच्च न्यायालय से पूरी जांच करने की मंजूरी मिल गई। उच्च न्यायालय ने राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज और साक्ष्य केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का आदेश दिया था।

शंकराचार्य जी ने कहा गोत्र ही हिंदुओ की पहचान

सुपौल (बिहार)। गौमाता के प्राणों की रक्षा व गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने हेतु चल रहे राष्ट्रव्यापी धर्मान्दोलन के अंतर्गत बिहार में गौमतदाता संकल्प यात्रा के दौरान आज सुपौल में सनातनधर्मियों को सम्बोधित करते हुए परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तरानंदः सरस्वती जी महाराज ने कहा कि गोत्र ही हिंदुओं की पहचान है जिसे हिन्दू भूलते जा रहे हैं।अपने गोत्र व उसके महत्व को याद रखना हर सनातनधर्मी का परम कर्तव्य है।

आज सुपौल में शंकराचार्य जी महाराज को उनके प्रवास स्थल भारी संख्या ने उपस्थित गौभक्तों व बिहार वासियों ने उन्हें पालकी में आरूढ़ कराकर कार्यक्रम स्थल तक ले गए जहां उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए परमधर्माधीश शंकराचार्य जी गौमाता के महात्म्य को निरूपित करते हुए कहा कि 33 कोटि देवी देवताओं की आश्रय स्थली गौमाता के महत्व इसी से समझा जा सकता कि हमारे जीवन मे गुरु व ईश्वर का अत्यंत महत्व है लेकिन हम जब अपने घर मे भोजन बनाते हैं तो पहली रोटी गौमाता के लिए बनाते हैं।गौमाता के रक्षा हेतु नारायण हर युग मे अवतरित होते हैं।गोविंद के इस भारत भूमि पर अब हमलोग किसी भी कीमत पर गौमाता के रक्त को नही गिरने देंगे।हमलोग करीब 78 वर्ष तक नेताओं पर भरोसा करके बैठे रहे लेकिन नेता गोकशी को रोकने की स्थान पर निहित स्वार्थ हेतु बढ़ावा देते चले जा रहे हैं।अब समय आ गया है कि हम गौमाता के प्राणों की रक्षा हेतु मतदान करें।जिससे कि गौमाता की प्राणों की रक्षा हो और हम गोकशी के पाप से बच सकें।शंकराचार्य जी महाराज ने उपस्थित गौभक्तों को दाहिना हाथ उठाकर गौमाता के रक्षा हेतु मतदान करने हेतु संकल्पित करवाया।

कार्यक्रम अनन्तर शंकराचार्य जी महाराज फारबीसगंज पहुच गए।जहां मार्ग में अनेकों स्थान पर भक्तों ने पुष्पवर्षा व जयकारे से शंकराचार्य जी महाराज का स्वागत अभिनंदन व वंदन किया।बीच मे कुछ स्थलों पर भक्तों ने शंकराचार्य जी महाराज के चरणपादुका का पूजन कर अपने जीवन को धन्य बनाया।इस दौरान प्रत्यक्चैतन्य मुकुंदानंद गिरीः जी महाराज, स्वामी दिव्यानंद सागर जी, देवेंद्र पाण्डेय, राजीव झा, शैलेन्द्र योगी जी ने भी लोगों को सम्बोधित किया।

राजगढ़ में आईएसआईएस आतंकी के पकड़ाने पर भाजपा ने जताया दिग्विजय सिंह पर शक, बोली- इनकी भी जांच हो

राजगढ़ **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के राजगढ़ से देश को दहलाने की साजिश रच रहे आईएसआईएस आतंकी कामरान कुरैशी को दिल्ली की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखने को मिला। भाजपा ने आज ब्यावरा बंद कर विरोध प्रदर्शन किया और आतंकियों के लगातार पकड़ाए जाने के बावजूद सुरक्षा पर सवाल उठाए। साथ ही, पार्टी ने यह भी मांग की कि जाकिर नाइक को गले लगाने वाले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की जांच की जाए। सकल हिन्दू समाज के आवाहन पर रैली निकाली गई, जिसमें हिंदू संगठनों ने कामरान के घर को तोड़ने और उसके संपर्क में आने वाले लोगों की जांच की मांग की। भाजपा नेता देवी सिंह सोंधिया ने कहा, 'दिग्विजय सिंह जाकिर नायक को गले लगाते हैं। आतंकी कामरान कुरैशी भी जाकिर नायक से प्रभावित था। कामरान जिस वकील के यहां काम करता था, वह कांग्रेस का नेता है। इसलिए दिग्विजय सिंह संदेह के घेरे में आते हैं। उनकी जांच होना चाहिए।'

यौन उत्पीड़न मामले में सुप्रीम कोर्ट का कड़ा आदेश कुलपति को बायोडाटा में बताना होगा अपना 'सच'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गलती करने वाले को माफ़ कर देना चाहिए, लेकिन गलती को भूलना नहीं चाहिए। साथ ही, कोर्ट ने निर्देश दिया कि एक विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के विवरण सहित उसके फैसले को कुलपति के बायोडाटा का हिस्सा बनाया जाए ताकि उनके खिलाफ शिकायत की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी यह उन्हें हमेशा के लिए परेशान करे। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने पश्चिम बंगाल स्थित एक विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य की याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसने दिसंबर 2023 में कुलपति पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने स्थानीय शिकायत समिति (एलसीसी) के उस फैसले को बहाल करने में कोई कानूनी त्रुटि नहीं की है जिसमें कहा गया था कि अपीलकर्ता की शिकायत समय सीमा पार कर चुकी है और खारिज किए जाने योग्य है। पीठ ने कहा कि गलती करने वाले को माफ कर देना उचित है, लेकिन गलती को भूलना नहीं चाहिए। अपीलकर्ता (संकाय सदस्य) के खिलाफ जो गलती हुई है, उसकी तकनीकी आधार पर जांच नहीं की जा सकती, लेकिन उसे भूलना नहीं चाहिए।

उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपील को खारिज करते हुए, पीठ ने कहा, 'इस मामले को ध्यान में रखते हुए, हम निर्देश देते हैं कि प्रतिवादी संख्या 1 (वीसी) द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की घटनाओं को क्षमा किया जा सकता है, लेकिन अपराधी को हमेशा के लिए परेशान करने दिया जा सकता है। इसलिए, यह निर्देश दिया जाता है कि इस निर्णय को प्रतिवादी संख्या 1 के बायोडाटा का हिस्सा बनाया जाए, जिसका अनुपालन वह व्यक्तिगत रूप से सख्ती से सुनिश्चित करे।' शीर्ष न्यायालय ने कहा कि अपीलकर्ता ने दिसंबर 2023 में एलसीसी में वीसी द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कर दी अजीबोगरीब डिमांड, मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को मैच रैफरी एंड पायक्रॉफ्ट पर भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उन्हें टूर्नामेंट से तुरंत हटाने की मांग की। जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर 69 वर्ष के पायक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के बीच मैच में मैच रैफरी थे, जिसमें मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने विरोधी टीम से हाथ नहीं मिलाया। पीसीबी ने आईसीसी के समक्ष पायक्रॉफ्ट के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी है। हालांकि, टूर्नामेंट आईसीसी नहीं बल्कि एशियाई क्रिकेट परिषद करा रहा है।

वहीं पीसीबी के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एक्स पर लिखा कि, पीसीबी ने क्रिकेट की भावना से जुड़े एमसीसी के नियम और आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच रैफरी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी है। पीसीबी ने मैच रैफरी को एशिया कप से तुरंत हटाने की मांग की है। नकवी इस समय एसीसी के अध्यक्ष भी हैं। पाकिस्तान ने पहले एशियाई क्रिकेट परिषद के समक्ष मसला उठाकर भारतीय खिलाड़ियों के बर्ताव को खेलभावना के विपरीत बताया था। पीसीबी ने इससे पहले बयान में कहा कि टीम मैनेजर नवीद चीमा ने मैच के बाद हाथ नहीं मिलाने वाले भारतीय खिलाड़ियों के बर्ताव का कड़ा विरोध किया है। ये खेल भावना और खेल के विपरीत आचरण है। विरोध के तौर पर हमने अपने कप्तान को मैच के बाद समारोह में नहीं भेजा।

ये मामला अब तूल पकड़ गया है जिसकी शुरुआत ग्रुप ए के मैच में सिक्के की उछाल के साथ हुई जब सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। पीसीबी ने दावा किया है कि रैफरी पायक्रॉफ्ट ने दोनों कप्तानों से मैच से पहले हाथ मिलाने की परंपरा का पालन नहीं करने के लिए कहा था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार और पाकिस्तान के सलमान अली आगा ने एक-दूसरे की तरफ देखा भी नहीं। दोनों टीमों के बीच एशिया कप में दो बार और टक्कर हो सकती है और भारत आगे भी हाथ नहीं मिलाने की नीति दोहरा सकता है।

सूर्यकुमार ने इससे पहले कहा था कि विरोधी टीम से हाथ नहीं मिलाना पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता दिखाने का उनका तरीका था।

सेंट्रल जोन ने जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब, कप्तान रजत पाटीदार ने 10 साल बाद टीम को बनाया चैंपियन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली सेंट्रल जोन ने फाइनल में साउथ जोन को 6 विकेट से हराकर दलीप ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया। रजत पाटीदार और उनकी टीम को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए मुकाबले के पांचवें दिन दो घंटे से भी कम समय में मैच अपने नाम कर लिया। सेंट्रल जोन ने पहले दिन से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और साउथ जोन को पहली पारी में महज 149 रनों पर ढेर कर दिया। सारांश जैन को प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। जबकि यश राठौड़ प्लेयर ऑफ द मैच बने।

साउथ जोन को छह विकेट से हराकर 11 साल के अंतराल के बाद दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन बनने का गौरव सेंट्रल जोन ने हासिल किया। सेंट्रल जोन के सामने 65 रन का मामूनी लक्ष्य था लेकिन साउथ जोन के गेंदबाजों ने उनके बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। लक्ष्य बहुत बड़ा नहीं था और ऐसे में सेंट्रल जोन को उसे हासिल करने में बहुत ज्यादा परेशानी नहीं हुई। अक्षय वाडकर (नाबाद 19 रन, 52 गेंद) और पहली पारी के शतकवीर यश राठौड़ (नाबाद 13 रन, 16 गेंद) तब क्रीज पर थे, जब मध्य क्षेत्र ने 20.3 ओवर में चार विकेट पर 66 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया और दलीप ट्रॉफी में अपना सातवां खिताब जीता।

बाएं हाथ के स्पिनर अंकित शर्मा ने दानिश मालेवार (05) को आउट किया। उनकी गेंद तेजी से घूमी और बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर मोहम्मद अजहरुद्दीन के पास पहुंची। बाद में उन्होंने सेंट्रल जोन के कप्तान रजत पाटीदार का विकेट भी लिया, जो जल्दबाजी में स्लॉग स्वीप खेलने के चक्कर में मिड-ऑन पर एमडी निधिश के हाथों कैच आउट हो गए।

रविवार को भारत ए टीम में शामिल किए गए तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने शुभम शर्मा और सारांश जैन (जिन्हें बाद में सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया) के विकेट चटकाए। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी राठौड़ और वाडकर ने इसके बाद सेंट्रल जोन को लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार का कप्तान के रूप में यह इस वर्ष का दूसरा खिताब है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत दिलाई थी और वह इससे काफी खुश हैं। उन्होंने मैच के बाद रजत ने कहा कि, हर कप्तान को ट्रॉफी जीतना पसंद होता है। हमारे खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त जज्बा दिखाया और मैं इससे बहुत खुश हूं।

दूसरी तरफ साउथ जोन के कप्तान अजहरुद्दीन ने कहा कि दलीप ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचना उनके लिए लंबे घरेलू सत्र में प्रेरणा का काम करेगा, जो अब 15 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी चरण में प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि, आगे घरेलू सत्र काफी लंबा है और मुझे पूरा विश्वास है कि हमें यहां मिले अनुभव का फायदा मिलेगा।

पाकिस्तान ने दी धमकी, यूएई के खिलाफ आगामी एशिया कप मैच का करेगा बहिष्कार

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। दुबई में भारत के खिलाफ मैच के बाद हुए तीखे विवाद के बाद मौजूदा एशिया कप 2025 में पाकिस्तान की भागीदारी पर संदेह के बादल छा गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 17 सितंबर को रात 8:00 बजे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले अपने अगले ग्रुप-स्टेज मैच का बहिष्कार करने की धमकी दी है।

यह विवाद रविवार को मैच शुरू होने से पहले ही शुरू हो गया था। राष्ट्रगान के दौरान स्टेडियम के लाउडस्पीकरों पर गलती से आधिकारिक राष्ट्रगान की बजाय 'जलेबी बेबी' गाना बज गया जिससे भ्रम और शर्मिंदगी की स्थिति पैदा हो गई। रिपोर्टों के अनुसार टॉस के कुछ क्षण बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने प्रतिद्वंदी सलमान अली आगा से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। भारत की शानदार जीत के बाद तनाव और गहरा गया, जब किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने मैदान छोड़ने से पहले अपने पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वियों से हाथ नहीं मिलाया।

हाथ न मिलाने ने पाकिस्तानी टीम को नाराज कर दिया। कप्तान सलमान अली आगा ने विरोधस्वरूप मैच के बाद की प्रस्तुति में भाग नहीं लिया, जबकि पीसीबी ने 15 सितंबर को भारतीय खिलाड़ियों और आईसीसी मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पाकिस्तान के अनुसार पाइक्रॉफ्ट ने कथित तौर पर सलमान को टॉस के समय भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने की सलाह दी थी जिसे पीसीबी ने 'क्रिकेट की भावना' के खिलाफ बताया।

पीसीबी प्रमुख और एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सार्वजनिक रूप से पाइक्रॉफ्ट पर आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया और उन्हें हटाने की मांग की। यह विवाद ऐसे संवेदनशील समय में सामने आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध पहले से ही राजनीतिक तनाव और हालिया सुरक्षा चिंताओं के कारण तनावपूर्ण हैं। हालांकि भारत ने 25 गेंदें और सात विकेट शेष रहते पाकिस्तान को हरा दिया, लेकिन उसके बाद से मैच मैदान के बाहर के नाटक के कारण फीका पड़ गया है। पाकिस्तान अब इस बात पर अड़ा है कि जब तक मैच रेफरी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती और उसकी शिकायतों का समाधान नहीं किया जाता, वह यूएई के खिलाफ अपने तीसरे ग्रुप मैच में खेलने से इनकार कर सकता है।

अगस्त में निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर पर, आयात 10 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश का निर्यात अगस्त महीने में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया जबकि आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। वाणिज्य मंत्रालय ने अगस्त महीने के व्यापार आंकड़े जारी करते हुए कहा कि अगस्त महीने में देश का व्यापार घाटा 26.49 अरब डॉलर पर आ गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 35.64 अरब डॉलर था। पिछले महीने देश ने कुल 35.1 अरब डॉलर का निर्यात किया जो एक साल पहले की समान अवधि में 32.89 अरब डॉलर था।

इस दौरान देश का आयात घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया जो पिछले साल के समान माह में 68.53 अरब डॉलर था। अगस्त माह के बेहतर प्रदर्शन से चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में देश का कुल निर्यात 184.13 अरब डॉलर हो गया जबकि इस दौरान कुल आया 306.52 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने इन व्यापार आंकड़ों पर संवाददाताओं से कहा कि वैश्विक और व्यापार नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यातकों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने किया कमाल जो कोहली-धोनी नहीं कर पाए वो एसकेवाई ने कर दिया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप 2025 में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7 विकेट से शिकस्त दी। भारत ने दुबई के मैदान पर 128 रनों का लक्ष्य 25 गेंद बाकी रहते आसानी से हासिल कर लिया। ये सूर्यकुमार यादव का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान 24वां मैच था। उनका बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। सूर्या ने वो कमाल किया है जो विराट कोहली और एमएस धोनी भी नहीं कर सके। दरअसल, सूर्या ने 24 टी20 मैचों के बाद बतौर भारतीय कप्तान कोहली और धोनी से ज्यादा जीत हासिल की हैं। उन्होंने अब तक कप्तान के रूप में 19 मैच जीते हैं। उन्होंने 2023 में पहली बार भारत की कमान संभाली थी।

वहीं, कोहली ने 24 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में कप्तानी करने के बाद 14 मैच जीते थे। हालांकि, उन्होंने सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत की कुल 50 मैचों में बागडर संभाली, जिसमें से 30 जीते। वह टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। धोनी ने 24 टी20 मैचों में कप्तानी करने के बाद महज 11 मुकाबले ही जीते थे। सबसे सफल कप्तानों में शुमार धोनी ने अपने करियर में सबसे छोटे फॉर्मेट में कुल72 मैचों में नेतृत्व किया और 41 बार विजयी परचम फहराया। 24 टी20 इंटरनेशनल मैचों के बाद रोहित शर्मा ने बतौर भारतीय कप्तान सबसे ज्यादा जीत दर्ज की हैं। उन्होंने 20 मैचों में जीत का स्वाद चखा था।

रोहित ने अपने करियर में क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भारत की 62 मैचों में कप्तानी की, जिसमें 49 बार जीत हासिल की। वह भारत के लिए सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले कप्तान हैं। रोहित भी टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल को अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। वह फिलहाल भारतीय वनडे टीम के कप्तान हैं। इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच की बात करें तो सूर्यकुमार ने ना सिर्फ कप्तान के रूप में बल्कि से भी छाप छोड़ी। उन्होंने 37 गेंदो में नाबाद 47 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक सिक्स शामिल है। सूर्या ने छक्का लगाकर जीत दिलाई थी।

आरईआईटी को इक्विटी का दर्जा देने से रियल एस्टेट में निवेश बढ़ेगा : उद्योग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। म्यूचुअल फंडों के रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) में निवेश को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत करने का बाजार नियामक सेबी के फैसला एक प्रगतिशील कदम है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी और आरईआईटी को मजबूती मिलेगी। आरईआईटी में म्यूचुअल फंड योजनाओं द्वारा निवेश बढ़ाने के लिए सेबी बोर्ड ने पिछले सप्ताह सेबी (म्यूचुअल फंड) विनियम, 1996 में संशोधनों को मंजूरी दी थी। इसके तहत म्यूचुअल फंड और विशेषीकृत निवेश फंडों द्वारा निवेश के लिए आरईआईटी को इक्विटी के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। दूसरी ओर इनविट के लिए हाइब्रिड वर्गीकरण जारी रहेगा।

भारतीय रीट्स एसोसिएशन (आईआरए) के साथ ही सूचीबद्ध रीट्स संस्थाओं, सत्व-ब्लैकस्टोन प्रायोजित नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट, के रहेजा प्रायोजित माइंडस्पेस रीट्स, एम्बेसी रीट्स और ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट के शीर्ष अधिकारियों ने इस फैसले की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से रियल एस्टेट क्षेत्र में समग्र निवेश को बढ़ावा मिलेगा और भारत में अधिक आरईआईटी सूचीबद्ध होंगे।

नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के सीईओ शिरीष गोडबोले ने कहा कि यह एक प्रगतिशील कदम है, जो भारत के रियल एस्टेट क्षेत्रों के लिए पूंजी के व्यापक स्रोतों को खोलेगा। माइंडस्पेस आरईआईटी के प्रबंध निदेशक और सीईओ रमेश नायर ने कहा कि इससे नकदी बढ़ेगी और भारतीय आरईआईटी बाजार मजबूत होगा।

जिम्बाब्वे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को 34 रनों से हराया

बुलावायो **(एजेंसी)**। ब्रायन बेनेट (94) और तदिवानाशे मारुमनी (62) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को पहले टी20 मुकाबले में नामीबिया को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 34 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट और तदिवानाशे मारुमनी की सलामी जोड़ी ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट लिए 124 रन जोड़े। 15वें ओवर में अलेक्जेंडर बुसिंग वोल्शेंक ने तदिवानाशे मारुमनी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। तदिवानाशे मारुमनी ने 48 गेंदों में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 62 रन बनाये। रयान बर्ल (22) दूसरे विकेट के रूप में आउट हुये। 19वें ओवर में रूबेन ट्रम्पेलमैन्न ने शतक की ओर बढ़ रहे ब्रायन बेनेट को अपना शिकार बना लिया। ब्रायन बेनेट ने 51 गेंदों में आठ चौके और चार छक्के लगाते हुए 94 रनों की पारी खेली। जिम्बाब्वे ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 211 रनों का स्कोर खड़ा किया। कप्तान सिकंदर रजा (23), और ताशिंगा मुसेकिवा एक रन बनाकर नाबाद रहे। नामीबिया की ओर से अलेक्जेंडर बुसिंग-वोल्शेंक ने दो विकेट लिये। रूबेन ट्रम्पेलमैन्न ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

लक्ष्य (212) रनों के का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मालन क्रूगर (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जान फ्राइलिन्क, जान निकोल लॉफ्टी-ईटन की जोड़ी ने दूसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने जान फ्राइलिन्क (21) को पगबाधा आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई।

जान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने 24 गेंदों में 38 रनों की पारी खेली। कप्तान गेरहाडर इरास्मस 19 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुये। जेन ग्रीन 27 गेंदों में (33), रूबेन ट्रम्पेलमैन 9 गेंदों में (20) तथा जेजे स्मिट 2 रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे नामीबिया की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 178 रन ही बना सकी और मुकाबला 34 रनों से हार गई। डायलन लीचर (11) और अलेक्जेंडर बुसिंग वोल्शेंक 4 रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे के लिए ब्लेसिंग मुजरबानी और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिये। वेलिंगटन मसाकाद्जा, रिचडर् नगारवा और ब्रैड इवांस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत की बेरोजगारी दर में सुधार लगातार दूसरे महीने आई गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि अगस्त 2025 में भारत के श्रम बाज़ार ने सकारात्मक रुख दिखाया है। इस दौरान कुल बेरोजगारी दर जुलाई में 5.2 फीसदी से घटकर अगस्त में 5.1 फीसदी पर आ गई। यह लगातार दूसरा महीना है जब इसमें गिरावट दर्ज हुई है।

शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर जुलाई के 7.2 फीसदी से घटकर अगस्त में 6.7 फीसदी रही। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा मामूली गिरावट के साथ 4.4 फीसदी से घटकर 4.3 फीसदी पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2025 में पुरुषों की बेरोजगारी दर 5इ रही, जो पिछले पांच महीनों का सबसे निचला स्तर है। महिलाओं की स्थिति में भी सुधार देखने को मिला है। महिला वर्कर पॉपुलेशन रेशियो (डब्ल्यूपीआर) जून के 30.2इ और जुलाई के 31.6इ से बढ़कर अगस्त में 32इ पर पहुंच गया।

कुल मिलाकर, अगस्त में ओवरऑल डब्ल्यूपीआर बढ़कर 52.2इ हो गया है, जो जुलाई में 52इ और जून में 51.2इ था। इसी तरह महिला श्रम बल भागीदारी दर भी जून के 32इ और जुलाई के 33.3इ से बढ़कर अगस्त 2025 में 33.7इ पर पहुंच गई।

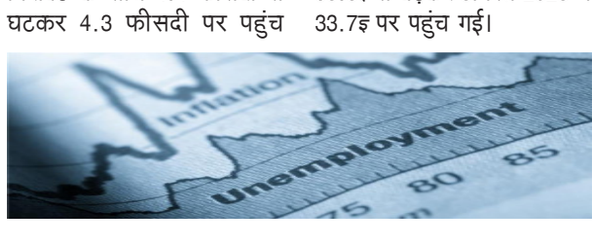

दिशा पाटनी के घर गोलीबारी : सीएम योगी का सख्त संदेश पिता को दिया सुरक्षा का आश्वासन, बोले- जल्द होगा खुलासा

बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के पैतृक घर के बाहर शुक्रवार देर रात गोलीबारी हुई थी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने बताया कि गैंगस्टर गोल्डी बरार ने सोशल मीडिया पर इस घटना की ज़िम्मेदारी ली है।

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोलीबारी का मामला सामने आने के बाद, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिशा के पिता जगदीश पाटनी से बात की और पाटनी परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी ने घटना का जल्द खुलासा करने के निर्देश भी दिए। दिशा पाटनी के पिता ने सीएम योगी से बात होने की पुष्टि की है। बता दें कि गोल्डी बरार गैंग ने गुरुवार रात दिशा के घर पर कई राउंड फायरिंग की थी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के चौपला चौराहे के पास का है। सीएम योगी से बात करने के बाद दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी का बयान भी सामने आया है।

बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी के घर पर बदमाशों ने गोलीबारी की। यह घटना सुबह करीब साढ़े तीन बजे अंजाम दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना के सामने आने के बाद दिशा पटानी के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इस संबंध में, बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा, 'बरेली के थाना कोतवाली क्षेत्र में सेवानिवृत्त सीओ जगदीश पाटनी के घर पर हुई गोलीबारी के संबंध में पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी शामिल होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

गौरतलब है कि दिशा पटानी एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री हैं जिन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। वह इस समय न्यूयॉर्क में हैं। न्यूयॉर्क फैशन वीक में अपनी ड्रेस से भी उन्होंने सबका ध्यान खींचा था।

बरेली में अपने परिवार के घर के बाहर हुई गोलीबारी की चौंकाने वाली घटना के कुछ दिनों बाद, भारतीय सेना की सेवानिवृत्त मेजर और बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी की बड़ी बहन खुशबू पटानी ने इंस्टाग्राम पर आत्मरक्षा पर एक कड़ा संदेश दिया। अपने हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में, खुशबू ने दिखाया कि कैसे डेटा केबल जैसी साधारण रोज़मर्रा की चीज़ों का इस्तेमाल खतरे के समय में खुद को बचाने के लिए रचनात्मक तरीके से किया जा सकता है।

शशांक खेतान की 'सनी संस्कारी' का ट्रेलर दशहरा पर 'हमप्टी' वाला रोमांस और कॉमेडी का तड़का!

पिछले कुछ सालों में सिनेमा काफ़ी विकसित हुआ है। चाहे वो कहानियाँ हों, वीएफएक्स हों या संगीत। लेकिन आज भी, हममें से ज़्यादातर लोगों के दिलों में 2000 के दशक के रोमांटिक कॉमेडी के ज़माने के लिए एक खास जगह है। हाल ही में, जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फ़िल्म परम सुंदरी ने हमें पुराने ज़माने की याद दिला दी, जिसमें पुराने ज़माने का रोमांस वापस लाया गया। खैर, जान्हवी और वरुण धवन की आने वाली रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी उसी रास्ते पर चलती दिख रही है, लेकिन उससे भी ज़्यादा मज़ेदार। कम से कम शशांक खेतान की इस आने वाली फ़िल्म का मज़ेदार ट्रेलर तो यही कहता है, जहाँ वरुण और जान्हवी अपने एक्स, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ़ को वापस पाने की कोशिश करते हैं। और हाँ, शशांक की बतौर निर्देशक पहली फ़िल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया (2014) का माहौल बिलकुल वैसा ही है, बिना आलिया भट्ट के।

शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म एक रंगीन, मज़ेदार और ग्लैमरस सफ़र लगती है, जिसमें चटपटे संवाद और प्रेम व पारिवारिक ड्रामा का एक मज़ेदार मिश्रण है।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का ट्रेलर 1998 में आई अजय देवगन और काजोल अभिनीत फ़िल्म 'प्यार तो होना ही था' की यादें ताज़ा कर देता है। अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म की कहानी भी कुछ ऐसी ही थी, जिसमें दोनों किरदार अपने पूर्व प्रेमी को वापस पाने के लिए प्रेमी होने का नाटक करते हैं, लेकिन अंत में उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो जाता है।

ट्रेलर में कई रोमांचक पल हैं, जिसमें वरुण-जान्हवी के बीच इस बात पर बहस भी शामिल है कि कौन 'ज़्यादा मध्यमवर्गीय' है। ट्रेलर के अंत में एक दृश्य में वरुण गोविंदा के एक मशहूर डायलॉग पर चुटकी भी लेते हैं। यह फ़िल्म इस साल 2 अक्टूबर को दशहरा पर बड़े पर्दे पर रिलीज़ होगी। इसका निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने किया है।